दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः– 06
अंकः– 152
मुरादाबाद
(Tuesday)
22 September 2026
पृष्ठः–8
मूल्यः– 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र–बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सीएम योगीः बोले–व्यक्ति से बढ़कर दल और दल से बढ़कर देश, भाजपा ने बदली राजनीति की दिशा, सपा पर साधा निशाना

जनता दर्शनः छोटी घटनाएं बड़ी न बनें, लोगों की समस्याएं सुन सीएम योगी बोले– डीएम–एसपी रखें नजर

जनता दर्शन में सीएम योगी ने लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्हें भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं का समाधान होगा। इस दौरान उन्होंने कहा कि छोटी घटनाएं बड़ी न बनें। डीएम–एसपी इस पर नजर रखें।राजधानी लखनऊ में सोमवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने ‘जनता दर्शन’ में लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान विभिन्न जिलों से लोग अपनी फरियाद लेकर पहुंचे। प्रार्थना पत्रों का अवलोकन करके सीएम ने कहा कि समाज में वैमनस्यता फैलाने वाले लोग मामूली घटनाओं को बड़ा बनाना चाहते हैं। ऐसे में

जिलों में हर छोटी से छोटी घटना पर डीएम–एसपी नजर रखें। घटनास्थल पर पहुंचकर पीड़ितों की सुनवाई करें। दोषियों पर नियमानुसार कार्रवाई करें। चेतावनी दी कि छोटी–छोटी घटनाओं में भी उदासीनता व लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। हर पीड़ित से मिले सीएम, समयबद्ध निस्तारण का दिया निर्देश–‘जनता दर्शन’ में सीएम योगी हर पीड़ित से मिले। उनकी समस्याओं व शिकायतों को सुना। प्रशासन, पुलिस, राजस्व, विद्युत आदि से जुड़ी शिकायतों पर उन्होंने कहा कि अधिकारी पात्र व्यक्ति को योजनाओं का लाभ दिलाएं। मरीजों के इलाज की व्यवस्था कराएं। भूमाफिया/दबंगों पर कठोरतम कार्रवाई करें। पुलिस से संबंधित शिकायतों पर हुए सख्त –सीएम के समक्ष पुलिस व राजस्व से जुड़ीं शिकायतें अधिक रहीं। इस पर उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि पुलिस कमिश्नर, एडीजी, आईजी, डीआईजी, एसएसपी स्तर के अधिकारी नियमित रूप से जनसमस्याओं का निराकरण कराएं। यदि किसी मातहत द्वारा लापरवाही की शिकायत मिले तो उस पर भी कार्रवाई करें। राजस्व और कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए।

बच्चे से पूछा– कैसे हो, कहां पढ़ते हो –इस दौरान मां के साथ आए नन्हें बच्चे से सीएम ने हालचाल पूछा। फिर पढ़ाई के बारे में भी जानकारी ली। उसकी तरफ चॉकलेट बढ़ाई तो उसने झट से ले ली। चॉकलेट वापस मांगी तो बच्चे ने मना कर दिया। इस पर पूरा हॉल खिलखिला उठा। सीएम ने सुखद भविष्य का आशीर्वाद देते हुए बच्चे से मन लगाकर पढ़ाई करने को कहा। मिशन–2027 के मद्देनजर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के दो दिवसीय पश्चिमी उत्तर प्रदेश दौरे के तहत सोमवार को मेरठ में संगठनात्मक बैठकें हुईं। नितिन नवीन के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी कार्यक्रम में शामिल हुए। शक्ति केंद्र संयोजकों के सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

सीएम योगी ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन पश्चिम क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के बीच शक्ति केंद्र सम्मेलन के माध्यम से कार्यकर्ताओं की शक्ति को जागृत करने और उसे पार्टी के लिए उपयोगी बनाने के लिए पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर और विकसित भारत के संकल्प में कार्यकर्ताओं की क्या भूमिका होगी, इसके लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष कार्यकर्ताओं का आह्वान कर रहे हैं।

शक्ति केंद्र संयोजकों को बताया संगठन की ताकत–सीएम योगी ने कहा कि नाम के अनुरूप ही शक्ति केंद्र का काम है। भाजपा की व्यवस्था में शक्ति केंद्र संयोजक के पास संगठन और चुनाव की पूरी ताकत निहित है। उन्होंने सम्मेलन में मौजूद शक्ति केंद्र संयोजकों का स्वागत और अभिनंदन किया।

परिवारवाद और जातिवाद पर सपा–कांग्रेस पर निशाना–सीएम योगी ने कहा कि देश की राजनीति में परिवारवाद और जातिवाद की बीमारी रही है। उन्होंने समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि इन दलों के लिए सत्ता शोषण और परिवारवाद को बढ़ाने का माध्यम बन गई थी। उन्होंने कहा कि इसी सोच के चलते राजनीति में यह भाव पैदा हुआ कि सत्ता में आने का मतलब अपने हितों को साधना है।%मुझे क्या% की जगह %देश के लिए क्या कर रहा हूं%मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने राजनीति की दिशा बदलने का काम किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सोच है कि सवाल यह नहीं होना चाहिए कि मुझे क्या मिलेगा, बल्कि यह होना चाहिए कि मैं अपने देश के लिए क्या कर रहा हूं।

सीएम योगी ने कहा, व्यक्ति से बढ़कर दल और दल से बढ़कर देश। उन्होंने कहा कि भाजपा का विचार है कि व्यक्ति का सब कुछ देश के लिए होना चाहिए।मुझे क्या% की सोच से पहचान और विकास का संकट–सीएम योगी ने कहा कि जब राजनीति में %मुझे क्या% का भाव हावी होता है तो इससे पहचान का संकट खड़ा होता है और विकास बाधित होता है। उन्होंने कहा कि ऐसी सोच समाज और देश के लिए घुटन पैदा करने वाली परिस्थितियां खड़ी करती है।

उन्होंने कहा कि %मुझे क्या% के भाव ने देश को नुकसान पहुंचाया और एक समय देश गुलाम हो गया था। साथ ही देश के सामने पहचान का संकट भी खड़ा हुआ।

मेरठ में संगठन की तैयारियों की समीक्षा–नितिन नवीन के दो दिवसीय दौरे के दौरान सोमवार और मंगलवार को मेरठ और सहारनपुर में पार्टी नेताओं, पदाधिकारियों, शक्ति केंद्र और जमीनी कार्यकर्ताओं से संवाद किया जा रहा है। मेरठ में बूथ से लेकर शक्ति केंद्र, मंडल और जिला स्तर की तैयारियों की समीक्षा के लिए अलग–अलग संगठनात्मक बैठकें आयोजित की जा रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

बसपा ने सुल्तानपुर सीट पर घोषित किया उम्मीदवार, इम्तियाज अहमद भुट्टो को बनाया प्रत्याशी

बसपा ने यूपी चुनाव 2027 के लिए सुल्तानपुर सीट पर इम्तियाज अहमद भुट्टो को प्रत्याशी घोषित किया है। इसकी जानकारी प्रेस कांफ्रेंस कर दी गई। बहुजन समाज पार्टी ने यूपी विधानसभा चुनाव 2027 के लिए सुल्तानपुर सीट पर प्रत्याशी की घोषणा कर दी है। बसपा ने इम्तियाज अली भुट्टो को उम्मीदवार बनाया है। इसकी घोषणा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने की। इसकी जानकारी उन्होंने एक्स पर दी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि आज दिनांक 21-09-2026 को मायावती जी के निर्देशानुसार जनपद सुल्तानपुर के तिकोनिया पार्क में बहुजन समाज पार्टी द्वारा एक अति महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई, जिसमें विधानसभा सुल्तानपुर से प्रभारी/प्रत्याशी के रूप में इम्तियाज अहमद भुट्टो जी को घोषित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित होकर कार्यक्रम में शामिल हुआ। अध्यक्ष विश्वनाथ पाल सोमवार दोपहर सुल्तानपुर शहर पहुंचे। उन्होंने अम्बेडकर पार्क में डॉ. अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद तिकोनिया पार्क में मीडिया से बातचीत की। ओपी राजभर के यूपी के चार हिस्से वाले बयान पर विश्वनाथ पाल ने कहा कि ये लोग सिर्फ घोषणाएं और बयानबाजी करते हैं। उनके बस का यह काम नहीं है। उन्होंने उदाहरण दिया कि सुल्तानपुर जैसे जिले का विकास संभव न होने पर बहनजी (मायावती) ने छत्रपति साहू जी के नाम से नया जिला बनाया था।

रामगोपाल यादव का दावाः निष्पक्ष चुनाव हुए तो 2027 में भाजपा को 50 सीटें भी नहीं मिलेंगी

सपा के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव रामगोपाल यादव ने उत्तर प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि निष्पक्ष चुनाव हुए तो 2027 में भाजपा को 50 सीटें भी नहीं मिलेंगी। उन्होंने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर भी संदेह जताया।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने सोमवार को कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार पर तीखा निशाना साधा। यादव ने दावा किया कि यदि निष्पक्ष चुनाव हुए तो 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को प्रदेश में 50 सीटें भी नहीं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि जनता ने आने वाले चुनाव में समाजवादी पार्टी को सत्ता में लाने का मन बना लिया है। यादव ने आरोप लगाया कि सरकार लोगों के मकान गिरवा रही है और पैर में गोली मरवा रही है। उनके मुताबिक, सरकार के खिलाफ आवाज उठाने वालों पर मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो सबसे ज्यादा एनकाउंटर कर दे, वही सबसे अच्छा पुलिस अधीक्षक माना जाता है। यादव ने सरकार पर अन्याय और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि भारत में इतना भ्रष्टाचार दुनिया के किसी तानाशाह ने भी नहीं किया। उन्होंने पिछले चुनावों में धांधली का दावा करते हुए चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर भी संदेह जताया।यूसीसी और जनविरोधी कानून

समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर यादव ने उत्तराखंड में इसे लागू करने पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि इससे क्या मिला, क्योंकि अलग–अलग धर्मों की परंपराएं भिन्न होती हैं। उन्होंने विवाह संबंधी परंपराओं और ब्रिटेन के संविधान का उदाहरण दिया। यादव ने यूपीआई भुगतान पर भी आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि आम यूपीआई लेनदेन पर कर लगाया गया है, जिससे करोड़ों रुपये यूपीआई कंपनियों के खातों में जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि ये कंपनियां भाजपा को चंदा देंगी, जिससे पार्टी चुनाव लड़ेगी।भाजपा की सभाओं पर सवाल– रामगोपाल यादव ने आरोप लगाया कि जनता के हित में कानून नहीं बन रहे, बल्कि कानूनों से जनता की जेब पर बोझ डाला जा रहा है। उन्होंने आशंका जताई कि भाजपा सत्ता में बनी रही तो पांच–दस साल बाद चुनाव भी नहीं होंगे। यादव ने मुख्यमंत्री योगी की सभाओं में भीड़ पर सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि इन सभाओं में आम जनता नहीं आती, बल्कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सरकारी शिक्षकों और आशा कार्यकर्ताओं को पैसे देकर बुलाया जाता है।

मताधिकार छीनने का है तरीका’ः एसआईआर नोटिस पर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर साधा निशाना, महंगाई को लेकर कही बात

कांग्रेस ने एसआईआर प्रक्रिया को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि इसके जरिए भारतीयों को मताधिकार से वंचित करने का तरीका अपनाया जा रहा है। इसके साथ कांग्रेस ने महंगाई को लेकर भी मोदी सरकार पर निशाना साधा। वहीं, आम लोगों को राहत देने की मांग की।कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि चुनाव आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया भारतीयों को मताधिकार से वंचित करने का एक तरीका है। यह बयान राष्ट्रीय राजधानी में लोगों की ओर से अपने गणना फॉर्म में दी गई जानकारी में विसंगतियों के कारण 33.13

लाख नोटिस जारी किए जाने पर मचे हंगामे के बीच आया है। ज्यादातर नोटिस इसलिए जारी किए गए क्योंकि वोटर की जानकारी 2002 में हुई वोटर लिस्ट के पिछले एसआईआर के डेटा से मेल नहीं खा रही थी। कांग्रेस ने क्या कहा? – मतदाताओं की सूची में विसंगतियों के लिए नोटिस जारी किए जाने पर दिवंगत अर्थशास्त्री बिबेक देबरॉय का नाम सामने आने को लेकर की गई आलोचना पर , संचार प्रभारी कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, दरअसल, यहां भारतीयों को मताधिकार से वंचित करने की एक विधि अपनाई जा रही है।रमेश ने Method Of Disenfranchising Indians" (भारतीयों को वोट देने के अधिकार से वंचित करने का तरीका) शब्दों को वर्टिकली (ऊपर से नीचे) लिखा है। ताकि हर शब्द का पहला कैपिटल लेटर मिलकर "MODI" (मोदी) शब्द बनाए।महंगाई को लेकर साधा निशाना– इसके साथ ही सोमवार को कांग्रेस ने खाने–पीने की चीजों की आसमान छूती कीमतों को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने 1977 के मशहूर बॉलीवुड गाने क्या हुआ तेरा वादा का जिक्र करते हुए महंगाई पर सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाए। जयराम रमेश ने एक मीडिया रिपोर्ट शेयर की। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि दाल और खाना पकाने के तेल समेत खाने–पीने की कई चीजों की कीमतों में बढ़ोतरी ने घरों के बजट को पूरी तरह से बिगाड़ दिया है। उन्होंने कहा, देश में खाने–पीने की चीजों की आसमान छूती कीमतों ने मध्यम और गरीब वर्गों की कमर तोड़ दी है। उन्होंने दावा किया कि रोजमर्रा की जरूरी चीजों की कीमतें आसमान छू रही हैं, जिससे आम आदमी का जीवन मुश्किल हो गया है। प्रधानमंत्री से क्या सवाल पूछे कांग्रेस नेता ने कहा, लेकिन प्रधानमंत्री महंगाई पर चुप हैं। तक ही सीमित रह गए हैं? उन्होंने कहा कि लोग भूखे मर रहे हैं और सरकार चुप है। उन्होंने सवाल किया कि क्या यही नया भारत है।रमेश ने 1977 की फिल्म हम किसी से कम नहीं के मशहूर बॉलीवुड गाने के बोल का जिक्र करते हुए कहा, क्या हुआ तेरा वादा? वो कसम, वो इरादा? कांग्रेस महासचिव ने कहा कि मोदी सरकार को बेकाबू महंगाई के खिलाफ तुरंत सख्त कदम उठाने चाहिए और आम लोगों को राहत देनी चाहिए। कांग्रेस लगातार बढ़ती कीमतों का मुद्दा उठा रही है।

चार हिस्सों में बंटेगा प्रदेश, ओपी राजभर का दावा– पूर्वांचल बना तो राजभर का बेटा होगा पहला मुख्यमंत्री

ओपी राजभर ने दावा किया कि यूपी चार हिस्सों में बंटेगा। पूर्वांचल बना तो राजभर का बेटा पहला मुख्यमंत्री होगा। उन्होंने सपा पर माफिया को संरक्षण देने आरोप लगाया।

उत्तर प्रदेश के बंटवारे और पूर्वांचल को अलग राज्य बनाने की मांग पर कैबिनेट मंत्री व सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने सोमवार को अंबेडकरनगर में बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि यूपी, देश का सबसे बड़ा राज्य है। आने वाले समय में इसके चार हिस्से होना तय है। पूर्वांचल अलग राज्य बना तो वहां राजभर समाज का बेटा ही पहला मुख्यमंत्री बनेगा। ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि बुंदेलखंड में अलग राज्य की मांग है, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हरित प्रदेश की मांग उठती रही है, जबकि मध्यांचल और पूर्वांचल को भी अलग राज्य बनाने की मांग है। उन्होंने पूर्वांचल के कई जिलों का जिक्र करते हुए कहा कि इस क्षेत्र के छह मंडलों में राजभर समाज की बड़ी आबादी है। पूर्वांचल राज्य बनने पर गठबंधन की स्थिति में राजभर समाज के नेतृत्व का दावा मजबूत रहेगा।

सपा पर माफिया संरक्षण का आरोप–ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव पर भी तीखा हमला बोला।

सपा के खिलाफ लगाए जा रहे उन पोस्टरों का हवाला देते हुए (जिनमें अखिलेश यादव के साथ अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी और आजम खान की तस्वीरें दिखाई गई हैं) उन्होंने पोस्टरों में लगाए गए आरोपों को सही बताया। उन्होंने आरोप लगाया

कि सपा के शासनकाल में अतीक अहमद और मुख्तार अंसारी जैसे अपराधियों को संरक्षण मिला। इसी वजह से उस सरकार की पहचान अपराध व माफियाराज से जुड़ी। राजभर ने सपा के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) राजनीतिक नारे पर भी कटाक्ष किया।अखिलेश–ओवैसी गठबंधन की अटकलों पर भी बोले– ओम प्रकाश राजभर ने दावा किया कि अखिलेश यादव और राहुल गांधी खुद को मुस्लिम समाज का राजनीतिक नेतृत्व करने वाला मानते हैं, जबकि ओवैसी चाहते हैं कि मुस्लिम समाज से कोई नेता मुख्यमंत्री बने। उनके मुताबिक, मुस्लिम मुख्यमंत्री को लेकर मतभेदों के कारण दोनों के बीच गठबंधन होना मुश्किल है।

संपादकीय Editorial

Economic Resources from the Kishau Dam

A milestone in Himachal's rights has written a new chapter in the state's interests in North India. If the potential presented by the Kishau Dam project is empowering Himachal, this struggle is rewarding the current Sukhu government. Through this 422-megawatt project on the Uttarakhand-Himachal border, Himachal has opened its economic doors for the first time. For the first time, Himachal's water potential has been valued. Himachal became a partner in the 15,624 crore project, but without spending a penny, it was assured of a share in the benefits arising from it. Now, the government estimates that upon completion, the state will receive a direct profit of 1,200 crore rupees. Delhi, Rajasthan, Uttar Pradesh, Uttarakhand, and the central government, bound by the Kishau project agreement, have established ownership of mountain water through this initiative. This is a victory for mountain water and, in this context, an opportunity to review all previous projects. Clearly, the Himachal government's efforts are at a point where the possibility of an equal share in the power generated by central government enterprises and full ownership of the Shanan Project has increased. Water resources are Himachal's strength and economic confidence, and from this perspective, we have made the Kishau Dam project a benchmark of rights. Similarly, the state that has submitted 68% of its land to forest cover should receive environmental compensation. Himachal's rights and self-respect lie within the forests.

Ironically, this state, which previously enjoyed special status, was able to compensate its economic and financial losses to some extent under the RDG, but now it has been deprived of such a provision. Shanta Kumar fulfilled the first responsibility of making Himachal self-reliant when the central government provided free electricity to the state in case of hydropower production. This is the second time a Chief Minister is choosing the path of self-reliance based on the argument of Himachal's rights. We can consider this a slogan for economic change. In fact, we did not understand Himachal's rights as determined by the Punjab Reorganization. Had we been able to strengthen our position in advocating for the Bhakra and Pong Dams, the situation would be different today. We neither secured electricity nor water rights from the Pong Dam. When former minister Dr. Rajan Sushant first campaigned for the Shah Canal, we realized that this was the path to our rights. We politely drafted plans for electricity generation taxes and water cess, but the regional political structure of North India remained opposed to these. The state's own politics also looked down upon the integration of Punjab's mountainous regions, separating the Seb and Galgal, or the upper and lower regions. Now, the numerous rivers, natural resources, and human achievements throughout Himachal are freeing the state from its shackles of self-reliance. This struggle has proven fruitful in the financial framework of the Kishau Dam. Our rights have been restored in this project, and these arguments will further strengthen our treasury in the future.

UPI Payment Rates

Keep in mind that the Indian online payment system is appreciated worldwide. Every possible measure should be taken to further expand this system. A fee is imposed on merchant transactions over ?2,000 using UPI. Merchants will bear the fee; person-to-person transactions are free. Fears of increased cash circulation suggest raising the ?2,000 limit. While the path has been cleared for a 0.4 percent merchant discount rate (MDR) on Unified Payments Interface (UPI) payments, opinions are divided among both the public and experts. Meanwhile, the government has indicated that the nominal fee on UPI payments will remain in place. It has also clarified that no fee will be levied on person-to-person transactions, and that any fee levied on payments above ?2,000 will be borne by merchants, not individuals. Businesses have expressed concern over this. Furthermore, their concerns are that merchants will ultimately collect their fees from them. Because of this, it is feared that cash circulation and the black money economy could gain strength. Whatever the future holds, now that UPI transactions are becoming popular, easy, and growing rapidly, nothing should be done that would halt their expansion. This expansion could be halted because the 2,000 rupee limit is too low. If UPI transactions decline due to the government's decision, it would be unfavorable. The need of the hour is to ensure that online payments continue to grow. It is crucial that fintech companies receive financial support to operate online transaction systems.

This is necessary because any system has a cost. The expansion of UPI payments will only increase this cost. Currently, the government pays a portion of this cost to banks and fintech companies in the form of subsidies. This is also public money. Clearly, this situation is unsustainable. Fintech companies must be empowered. A middle ground, and one that should be considered, is to increase the fee-paying UPI payment limit to over ?2,000. This will provide relief to the general public and strengthen and popularize India's biggest achievement of the past decade. It should be noted that the Indian online payment system is appreciated worldwide. Every possible measure should be taken to further expand this system. In doing so, the government must also effectively counter the baseless allegations that the government made the decision under pressure from the United States and that it will benefit American card companies. Those spreading these rumors are deliberately ignoring the fact that UPI payment rates are much lower than those of American card companies.

America's Arbitrariness

It is impossible for America to continue to act arbitrarily and India to silently tolerate it. If the US does not change its attitude, its relations with India are bound to deteriorate further. Finally, the US House of Representatives approved a bill imposing 100% tariffs on five major countries, including India, that import oil from Russia. The Senate had also previously approved this bill. If the US President signs it, US tariffs will increase further on India, China, Hungary, Slovakia, and Azerbaijan.

It remains to be seen whether this will be 100% or less. It also remains to be seen whether the US President will sign this bill or simply use it as a means to pressure countries that buy oil from Russia. Whatever the case, imposing arbitrary tariffs on India would only demonstrate America's arrogance. The US President and the lawmakers from both the ruling and opposition parties who support the bill believe that punishing countries that buy oil from Russia through tariffs will make Russia unable to continue its war against Ukraine. It's true that Russia is fighting an endless and, in some ways, futile war against Ukraine, but it's oversimplifying the problem to say that this war is being perpetuated by countries like India and China. Isn't it strange that the US, unable to stop its own war against Iran, is blaming India, China, and others for aiding Russia in continuing its war against Ukraine?

It's good that India, in response to the bill that exposes US arbitrariness, stated its commitment to protecting its energy interests.

India also didn't hesitate to say that it would take every possible measure to protect its economic interests. This indicates that if the US actually increases tariffs on India for purchasing oil from Russia, it will respond. It's impossible for the US to continue its arbitrariness and India to silently tolerate it.

If the US doesn't change its attitude, its relations with India are bound to deteriorate further.

It's also possible that the trade agreement with the US may not be finalized. The US must understand that clapping doesn't take one hand. If it wants to improve its relations with India, it must adopt a friendly approach. It must also realize that if India stops buying oil from Russia, its energy interests will be jeopardized and oil prices in the international market will rise further. Keep in mind that these prices are already high due to the West Asian crisis, a crisis created by the US.

A Muslim world surrounded by uncertainty

The Arab world's previous policy of Islamic unity and international dominance is on the verge of collapse. The US has abruptly shifted its military strategy in West Asia. Uncertainty has increased in the Muslim world, significantly strengthening Israel's position. Muslim countries will abandon Islamic unity and seek new secular directions. World politics has suddenly taken an interesting turn. The US's failed attempt at regime change in Iran, Iran's continued attacks on US allies in West Asia, the simultaneous formation of an "Islamic NATO"-like front between Turkey, Pakistan, and Saudi Arabia through the Mecca Agreement, the subsequent rise of Houthi rebels in Yemen and the seizure of a vital oil route to the sea, the threat of drone attacks by the Houthis on Saudi Arabia, and the US's indifference to this, despite the fact that Saudi Arabia has a defense treaty with them—all these events are significant, some even unexpected. The combination of these events within a few weeks signals a new turning point in world politics. The US has abruptly shifted its military strategy in West Asia. It has either abandoned or stopped active military intervention in the region. This has created uncertain relations between various Muslim countries. The situation in Saudi Arabia itself is a striking example of this. As a center of Islam, various radical Islamic elements have sought to capture or influence it, but for a long time, its power has been secured by American support, but now that seems insufficient. The US administration has not only remained calm about the Houthis' attack on Saudi Arabia, but is also seeking dialogue with them.

What does the Houthi rebels' attack on Saudi Arabia, despite the formation of "Islamic NATO," indicate? It is that uncertainty has descended upon the entire Muslim world. Iran, the second most important Muslim country after Saudi Arabia, has strengthened on one hand and weakened on the other. Its military-strategic position appears to have increased, as it has successfully maintained its rule despite the American military attack. It has also increased its control over the Hormuz oil route, but its internal situation has deteriorated significantly. There has been a significant decline in the strength of Hamas, which until now has been Iran's undeclared arm. Israel has largely destroyed Hamas. This may even be permanent.

This is also because many Muslim countries also dislike Hamas. Thus, Israel's position has improved, while the Iranian rulers have a declared goal of eliminating that country. Israel's position is likely to strengthen in the coming days, as Saudi Arabia seeks its support for its defense. Its strength in all three areas—technological, economic, and strategic—is largely self-reliant. Israel, which two decades ago faced a declared threat from many neighboring Muslim countries, is now virtually free of many enemies. In fact, apart from Iran, there is hardly any Muslim country willing to attack Israel. This also means that the Arab countries' previous politics of Islamic unity and international dominance has been eroded. In recent years, no Muslim country other than Iran has been calling for Israel's destruction.

In West Asia, a strategic vacuum has emerged since the American indifference. Neither China, Russia, nor NATO appear to be coming to fill this void. If Iran were to establish dominance there alone, all the surrounding Muslim countries would reject it. Iran's apparent rise is doubtful whether it will last. The reasons for this are both external and internal. Iran's regime is a well-known Islamic dictatorship. Internal discontent against it is widespread, which has been kept in check through harsh repression. Turkey and Iran, in the entire Muslim world, have the most modern-minded Muslims, who consider Islam a thing of the past. Consequently, Iran's Islamic regime has been able to avoid rigidity within the country. Until now, it has maintained its ideological influence and moral legitimacy within the country in the name of eliminating America and anti-Americanism, but this is a fabricated and weak foundation. The question among Iran's

जिला स्वास्थ्य समिति की मासिक समीक्षा बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति एवं राज्य स्तरीय रैंकिंग की हुई विस्तृत समीक्षा।

जननी सुरक्षा योजना की खराब प्रगति पर जिलाधिकारी ने जताई नाराजगी, कुंदरकी, बिलारी, मूंढापांडे एवं डिलारी के प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को स्पष्टीकरण नोटिस जारी करने के निर्देश जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। साथ ही कार्यक्रमवार राज्य स्तरीय रैंकिंग की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कम प्रगति वाले कार्यक्रमों में सुधार लाने तथा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं प्रभावशीलता बढ़ाने के निर्देश दिए।बैठक में प्रस्तुत कार्यक्रमवार राज्य रैंकिंग के अनुसार मुरादाबाद जनपद ने उत्तर प्रदेश स्वास्थ्य डैशबोर्ड में राज्य में द्वितीय, आभा पहचान-पत्र में द्वितीय, क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम में छठा, स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र रिपोर्टिंग में छठा तथा ई-संजीवनी में चौथा स्थान प्राप्त किया है। वहीं जनपद स्वास्थ्य समिति बैठक एवं आंकड़ा गुणवत्ता में 19वां, गैर-संचारी रोग कार्यक्रम में 25वां, गुणवत्ता कार्यक्रम में 31वां तथा बीडीएम पोर्टल प्रविष्टि-आयुष्मान कार्यक्रम में 19वां स्थान दर्ज किया गया है। जननी सुरक्षा योजना भुगतान में जनपद की राज्य रैंकिंग 32वीं रही। जिलाधिकारी ने बेहतर प्रदर्शन

वाले कार्यक्रमों की प्रगति को बनाए रखने के साथ ही अपेक्षाकृत कम रैंकिंग वाले कार्यक्रमों में विशेष प्रयास कर सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जननी सुरक्षा योजना की खराब प्रगति पर जिलाधिकारी सख्तसमीक्षा के दौरान जननी सुरक्षा योजना की प्रगति संतोषजनक न पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों से योजना की प्रगति की विस्तृत जानकारी लेते हुए पात्र लाभार्थियों को समय से योजना का लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।जननी सुरक्षा योजना में खराब प्रदर्शन पर जिलाधिकारी ने कुंदरकी, बिलारी, मूंढापांडे एवं डिलारी के प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को स्पष्टीकरण नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासन की प्राथमिकता वाली स्वास्थ्य योजनाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। संबंधित अधिकारियों को योजना की प्रगति में तत्काल सुधार लाने तथा पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बेहतर प्रदर्शन वाले स्वास्थ्य कार्यक्रमों की गति बनाए रखने के निर्देश जिलाधिकारी ने कहा कि उत्तर प्रदेश स्वास्थ्य डैशबोर्ड एवं आभा पहचान-पत्र में राज्य में द्वितीय स्थान, ई-संजीवनी में चौथा तथा क्षय रोग नियंत्रण एवं स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र रिपोर्टिंग में छठा स्थान जनपद के बेहतर कार्य का परिचायक है।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इन कार्यक्रमों की उपलब्धि को बनाए रखते हुए और बेहतर प्रदर्शन के लिए निरंतर प्रयास करने के निर्देश दिए।साथ ही, जनपद स्वास्थ्य समिति बैठक एवं आंकड़ा गुणवत्ता, गैर-संचारी रोग कार्यक्रम, गुणवत्ता कार्यक्रम तथा बीडीएम पोर्टल प्रविष्टि-आयुष्मान कार्यक्रम में रैंकिंग सुधारने के लिए कमियों का विश्लेषण करने तथा विकासखंड स्तर पर प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान की तैयारियों की समीक्षा-बैठक में विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के तृतीय चरण की तैयारियों की भी समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान 01 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तथा दस्तक अभियान 12 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए।उन्होंने जिला मलेरिया अधिकारी को निर्देशित किया कि अभियान शुरू होने से पूर्व संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आवश्यक प्रशिक्षण पूर्ण कराया जाए। अभियान के दौरान प्रतिदिन क्षेत्र में निर्धारित गतिविधियां कराई जाएं तथा उनकी प्रभावी निगरानी की जाए। उन्होंने कहा कि अभियान में शामिल सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए शासन की मंशा के अनुरूप परिणाम सुनिश्चित करें।

साफ-सफाई, फॉगिंग एवं एंटी लार्वा गतिविधियों पर विशेष जोर-जिलाधिकारी ने नगर विकास विभाग एवं ग्राम विकास/पंचायतीराज विभाग को निर्देश दिए कि सूक्ष्म कार्ययोजना के अनुसार फॉगिंग, एंटी लार्वा छिड़काव, नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई तथा जलभराव वाले स्थानों को चिन्हित कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि संचारी रोगों की रोकथाम के लिए स्वच्छता एवं मच्छरजनित रोगों से बचाव संबंधी गतिविधियां नियमित रूप से संचालित की जाएं।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जलभराव वाले स्थानों की पहचान कर तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जाए और क्षेत्र में साफ-सफाई व्यवस्था को प्रभावी बनाया जाए। अभियान से जुड़े सभी विभाग अपने दायित्वों का समयबद्ध तरीके से निर्वहन करें। स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के निर्देश-जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर मरीजों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, क्षय रोग नियंत्रण, गैर-संचारी रोगों, आभा पहचान-पत्र, आयुष्मान भारत सहित विभिन्न कार्यक्रमों की नियमित समीक्षा एवं निगरानी सुनिश्चित करने को कहा।

उन्होंने निर्देशित किया कि जिन कार्यक्रमों में जनपद की रैंकिंग अपेक्षाकृत कम है, उनमें कमियों को चिन्हित कर विकासखंडवार कार्ययोजना तैयार की जाए और उसकी नियमित समीक्षा की जाए। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि केवल आंकड़ों में सुधार के बजाय स्वास्थ्य सेवाओं का वास्तविक लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना प्राथमिकता हो।

अंतरविभागीय समन्वय से अभियान को सफल बनाने पर जोर-जिलाधिकारी ने कहा कि संचारी रोग नियंत्रण एवं स्वास्थ्य योजनाओं की सफलता के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ नगर विकास, ग्राम विकास, पंचायतीराज, पशुपालन, शिक्षा, कृषि, सिंचाई एवं अन्य संबंधित विभागों का समन्वय आवश्यक है।

सभी विभाग निर्धारित दायित्वों के अनुसार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें तथा क्षेत्रीय स्तर पर किए जा रहे कार्यों की नियमित समीक्षा करें।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुश्री मृणाली अविनाश जोशी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कुलदीप सिंह, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला मलेरिया अधिकारी सहित स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मोहम्मद शमी लड़ेंगे चुनाव?: जयंत चौधरी से मिलकर सियासी पिच पर फेंका बाउंसर; यूपी की इस सीट से उतरने की चर्चाएं

भारतीय क्रिकेट के तेज गेंदबाज और अमरोहा के सहसपुर अलीनगर निवासी मोहम्मद शमी ने रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी से मुलाकात की है। उसके बाद पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सियासत में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। शमी के 2027 के विधानसभा हैं।राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत सियासी हलचल बढ़ा दी है। इस मुलाकात की तस्वीर पिच पर तेज गेंदबाज शमी के बाउंसर फेंकने के हो गई हैं।सोशल मीडिया पर पिछले कुछ दिनों से शमी या उनके परिवार के किसी सदस्य के सियासत शमी ने रालोद प्रमुख जयंत चौधरी से मुलाकात करके मंडल की सियासत में हलचल तेज हो गई है। जयंत जैसे महान क्रिकेटर से मिलना एक सुखद अनुभव करीब 17 महीने से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर हैं। ट्रॉफी के फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला मिली। ऐसे में जयंत चौधरी से मुलाकात के बाद फिलहाल क्रिकेटर शमी के चुनाव लड़ने के सवाल रालोद के अमरोहा जिलाध्यक्ष सचिन चौधरी ने बताया मुलाकात किस उद्देश्य से हुई है, इसकी उन्हें जानकारी सकते हैं विकल्प- क्रिकेटर मोहम्मद शमी तुर्क बिरादरी

चुनाव में राजनीतिक पदार्पण को लेकर अटकलें तेज हो गई चौधरी से क्रिकेटर मोहम्मद शमी की मुलाकात ने अमरोहा में जयंत चौधरी ने फेसबुक पर पोस्ट की है। इसके बाद सियासी कयास शुरू हो गए हैं। उनके राजनीति में उतरने की चर्चाएं तेज अमरोहा के सहसपुर अलीनगर के रहने वाले क्रिकेटर मोहम्मद में उतरने की चर्चाएं चल रही हैं।रविवार को दिल्ली में मोहम्मद इस चर्चा को और हवा दे दी है। इससे अमरोहा ही नहीं बल्कि चौधरी ने फेसबुक पर तस्वीर साझा करते हुए मोहम्मद शमी बताया है।दूसरी ओर टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी उन्होंने आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच नौ मार्च 2025 को चैंपियंस था।इंग्लैंड और श्रीलंका दौरे पर भी उन्हें टीम में जगह नहीं उनके सियासत में उतरने की चर्चाओं को और बल मिला है। पर उनके परिवार और रालोद के नेताओं ने चुप्पी साध रखी है। कि क्रिकेटर मोहम्मद शमी की राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी से नहीं है। भाजपा ढूंढ रही है महबूब अली की काट, शमी बन से आते हैं। अमरोहा विधानसभा क्षेत्र में तुर्क बिरादरी का खासा दबदबा है। जोया इलाके को तुर्किस्तान कहा जाता है। ऐसे में अमरोहा सीट से वह सपा विधायक महबूब अली का काट हो सकते हैं। मोहम्मद शमी भाजपा गठबंधन के लिए विकल्प बन सकते हैं। इसका फायदा एनडीए को मंडल की दूसरी सीटों पर भी मिल सकता है।परिवार से दूसरे सदस्य के मैदान में उतरने की भी चर्चा-अमरोहा के सियासी गलियारों में यह कयास लगाए जा रहे हैं कि अगर मोहम्मद शमी राजनीति में नहीं आते हैं तो उनके परिवार के किसी सदस्य को चुनावी मैदान में उतारा जा सकता है। उनके बड़े भाई हसीब का नाम पहले भी अमरोहा से चुनाव लड़ने की चर्चाओं में सामने आ चुका है।

माफियाराज- लूट लिया प्रदेश: रातोंरात लगे अखिलेश-आजम-अतीक की तस्वीरों वाले पोस्टर, सुबह सपा नेताओं ने फाड़े

मुरादाबाद में अखिलेश यादव के खिलाफ विवादित पोस्टर लगाए जाने से सियासी माहौल गरमा गया। सपा नेताओं ने कई पोस्टर फाड़कर इसे लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।2027 के विधानसभा चुनाव से पहले यूपी में सियासी पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को निशाना सुबह लोगों की नजर इन पर पड़ी तो सियासी हलकों खां और अतीक अहमद समेत अन्य नेताओं की तस्वीरें था पूरा प्रदेश लिखा था। प्रदेश के कई अन्य शहरों में आने की खबर है।पोस्टरों की जानकारी मिलते ही पहुंचे। उन्होंने पोस्टर फाड़कर हटा दिए। सपा नेताओं लगवाए गए हैं। जयवीर यादव ने कहा कि 2027 का माहौल बनाने में जुट गई है। सपा की ओर से मामले आरोपों पर भाजपा महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला ने पर इन्हें लगवाने वाले किसी व्यक्ति, संगठन या

पोस्टरवार शुरू हो गया है। रविवार रात मुरादाबाद के प्रमुख मार्गों बनाते हुए बड़े-बड़े पोस्टर और होर्डिंग लगा दिए गए। सोमवार में हलचल मच गई। पोस्टरों में अखिलेश यादव के साथ आजम लगाई गई थीं। पोस्टरों पर माफियाराज और अखिलेश, लूट लिया भी सपा और अखिलेश के खिलाफ इसी तरह के पोस्टर सामने सपा जिलाध्यक्ष जयवीर यादव पार्टी नेताओं के साथ मौके पर ने आरोप लगाया कि यह पोस्टर भाजपा नेताओं की ओर से चुनाव नजदीक आते ही भाजपा इस तरह की पोस्टरबाजी से की शिकायत पुलिस से करने की बात कही गई है। सपा के कहा कि उन्हें पोस्टरों के बारे में कोई जानकारी नहीं है। पोस्टरों राजनीतिक दल का नाम भी नहीं है। कई शहरों में एक साथ दिखे पोस्टर-मुरादाबाद के अलावा लखनऊ, उन्नाव, इटावा, सीतापुर, बरेली, मेरठ, आजमगढ़ और गाजीपुर समेत कई शहरों में भी सपा के खिलाफ पोस्टर लगाए जाने की रिपोर्ट सामने आई है। कुछ पोस्टरों में अखिलेश के माफिया, माफिया के अखिलेश और वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफिया जैसे संदेश लिखे गए हैं। इनमें अलग-अलग इलाकों से जुड़े अपराध के चर्चित नामों और सपा से जुड़े नेताओं की तस्वीरों को एक साथ दिखाया गया है। सपा नेताओं ने की एसएसपी से मुलाकात- सपा नेता और जिलाध्यक्ष जयवीर यादव और प्रवक्ता धर्मेंद्र यादव ने कहा कि पार्टी इस मामले में पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा कि अखिलेश यादव पर आरोप लगाने से पहले भाजपा को अपने शासनकाल में अपराध के मामलों पर भी जवाब देना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

26 लाख के हिसाब पर दो निर्यातकों में विवाद: मझोला थाने में केस दर्ज, धमकी और गाली गलौच करने का आरोप

मुरादाबाद के निर्यातक महेश चंद्र अग्रवाल ने 26 लाख रुपये के हिसाब को लेकर निर्यातक इकबाल शम्सी पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है।

मझोला पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मुरादाबाद के पांच सितारा होटल के मालिक एवं निर्यातक महेश चंद्र अग्रवाल और निर्यातक इकबाल शम्सी के बीच 26 लाख रुपये के हिसाब को लेकर विवाद सामने आया है। मामले में महेश अग्रवाल की तहरीर पर मझोला थाना पुलिस ने इकबाल शम्सी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महेश अग्रवाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि एमआईडीपीएल (मुरादाबाद इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट प्रा. लि.) सरकारी क्लस्टर परियोजना से संबंधित कंपनी है। इसका संचालन निर्यातकों की एक टीम कर रही है। इकबाल शम्सी कंपनी के खातों एवं प्रबंधन का कार्य देखते हैं।अग्रवाल के मुताबिक 18 सितंबर की शाम दिल्ली रोड स्थित एक निर्यात फैक्टरी में बैठक के दौरान उन्होंने इकबाल शम्सी से कंपनी के लगभग 26 लाख रुपये से संबंधित खातों और लेनदेन का हिसाब मांगा। आरोप है कि इस पर भड़के शम्सी ने उनके लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। गालियों के साथ जान से मारने की धमकी दी। इस दौरान दो अन्य निर्यातक भी मौजूद थे। अग्रवाल ने इस घटना के बाद जान को खतरा बताते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। साथ ही एमआईडीपीएल के करोड़ों रुपये के वित्तीय लेनदेन और खातों में अनियमितता की आशंका जताते हुए जांच की मांग उठाई है। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह का कहना है कि पुलिस ने तहरीर के आधार पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। साथ गहराई से जांच करने के निर्देश दिए हैं। उधर, निर्यातक इकबाल शम्सी का कहना है कि कंपनी में 26 लाख रुपये के बिजली के बिल का मामला है। महेश चंद्र अग्रवाल से उनके 20 साल से संबंध हैं। आपस में बैठक कर विवाद को सुलझा लिया जाएगा। यह कोई बड़ी बात नहीं है।अहसन ग्रुप में भी वित्तीय अनियमितता की आशंका जता जांच की मांग-निर्यातक महेश अग्रवाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया है कि इकबाल शम्सी से जुड़े अहसन ग्रुप की भी गंभीर वित्तीय शिकायतें हैं। इस ग्रुप द्वारा गरीब, जरूरतमंद और असहाय लोगों की सहायता के नाम पर बड़ी मात्रा में चैरिटी और जकात की धनराशि प्राप्त की जाती है। आशंका है कि इस ग्रुप को प्राप्त होने वाली जकात एवं अन्य चैरिटेबल धनराशि के उपयोग में वित्तीय अनियमितताएं की गई हैं। इसमें आई धनराशि का उपयोग गरीब और जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए नहीं किया गया है। उन्होंने अहसन ग्रुप के बैंक खातों, जकात के रूप में प्राप्त धनराशि, दानदाताओं से प्राप्त रकम, लाभार्थियों को किए भुगतान, खर्चों, वाउचर, रसीदों, ऑडिट रिपोर्ट, वित्तीय दस्तावेजों की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की भी मांग की है।

माफियाराज और अखिलेश लूट ले गए पूरा प्रदेश वाला पोस्टर देखकर उबले सपाई

भाजपा पर लगाया ओछी राजनीति करने का आरोप, जिलाध्यक्ष ने कहा..सपा देगी मुहतोड़ जबाबमुरादाबाद में अखिलेश यादव के खिलाफ लगे पोस्टर देखकर सपा कार्यकर्ता भड़क गए। सपाइयों ने पोस्टर हटाकर भाजपा पर ओछी राजनीति का आरोप लगाया है।सोमवार को मुरादाबाद में दिल्ली रोड सहित कई अन्य स्थानों पर सपा और उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को निशाना बनाने वाले पोस्टर चस्पा होने की जानकारी मिलते ही सपाई उबल गए। वह सड़क पर उतर आए। लगे पोस्टरों को जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह यादव के नेतृत्व में सपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने हटवाया। भाजपा पर ओछी और बहुत निम्न स्तर की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए विरोध जताया। पार्टी के अनुसार सुबह किसी पीडीए समर्थक ने जिलाध्यक्ष सहित अन्य कुछ नेताओं को फोन कर बताया कि की दिल्ली रोड पर कांशीराम गेट के सामने एक बड़ा साइन बोर्ड (होर्डिंग) समाजवादी पार्टी के खिलाफ लगा है। जिसमें पार्टी और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के खिलाफ अभद्र भाषा और तुच्छ राजनीति मानसिकता दर्शाया गया है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

स्वच्छ विद्यालय, स्वस्थ विद्यार्थी: स्वच्छता ही सेवा-2026 अभियान के तहत विद्यालय में गूंजा सेवा संकल्प

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली । 'स्वच्छता में सहभाग, स्वच्छ भारत विकसित भारत' के ध्येय को साकार करने के उद्देश्य से नगर पंचायत क्षेत्र स्थित विद्यालय में 'स्वच्छता ही सेवा-2026' अभियान के तहत 'स्वच्छ पाठशाला' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय परिसर में स्वच्छता जागरूकता और श्रमदान से जुड़ी विविध गतिविधियों में छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं और शिक्षकों ने विद्यार्थियों को व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ-साथ परिसर को स्वच्छ व सुंदर बनाए रखने के तौर-तरीके सिखाए। छात्रों को स्वच्छ पेयजल के महत्व, नियमित हैंडवॉश, कचरे का स्रोत पर ही पृथक्करण (गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग डस्टबिन में डालना) और दैनिक जीवन में सिंगल-यूज़ प्लास्टिक का उपयोग न्यूनतम करने के प्रति जागरूक किया गया। शिक्षकों ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि स्वच्छता कोई एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि इसे अपनी नियमित दिनचर्या और आदतों में शामिल करना आवश्यक है। कार्यक्रम के मुख्य चरण में सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों ने एक स्वर में स्वच्छता शपथ ग्रहण की। इसके बाद पूरे परिसर में वृहद स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें छात्रों और अध्यापकों ने मिलकर कक्षाओं, मैदान और परिसर की साफ-सफाई की। विद्यार्थियों ने हाथों में तख्तियां लेकर स्वच्छ विद्यालय-स्वस्थ विद्यार्थी तथा स्वच्छता हमारी जिम्मेदारी जैसे नारों के साथ पूरे क्षेत्र में जन-जागरूकता का सकारात्मक संदेश प्रसारित किया। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

कलेक्ट्रेट में सजी सेवा संकल्प प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र, उमड़ी भीड़,तस्वीरों में दिखा सुशासन और विकास का खाका

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों के निरंतर सेवाकाल और जन्मदिवस के उपलक्ष्य में चल रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत कलेक्ट्रेट परिसर में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग की ओर से लगाई गई चित्र प्रदर्शनी आमजन के बीच खासी चर्चा में है। 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में रोज बड़ी संख्या में नागरिक, युवा और कलेक्ट्रेट पहुंचने वाले फरियादी योजनाओं की जमीनी हकीकत और जानकारी जुटा रहे हैं।प्रदर्शनी में महिला सशक्तिकरण, रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा, डिजिटल भारत, ग्रामीण विकास और 'विकसित भारत-2047' के संकल्प को आकर्षक पैनलों और तस्वीरों के जरिए प्रभावी रूप से पेश किया गया है। सूचनाओं को बेहद सरल भाषा में प्रदर्शित किया गया है, जिससे लोग आसानी से अपनी पात्रता और लाभ लेने की प्रक्रिया समझ सकें। कलेक्ट्रेट में किसी काम से पहुंचे लोग भी सहज रूप से इस प्रदर्शनी का अवलोकन कर रहे हैं। प्रशासन की यह पहल योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने और सीधे संवाद स्थापित करने में खासी असरदार साबित हो रही है।

दोहरी सदस्यता पर बरेली बार सख्त, नवगठित संगठन से मांगी सदस्यों की सूची

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। वकीलों की दोहरी सदस्यता को लेकर बरेली बार एसोसिएशन ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। एसोसिएशन ने 166-ए, सिविल लाइंस स्थित नवगठित एडवोकेट बार एसोसिएशन को पत्र भेजकर उसके संरक्षकों, पदाधिकारियों और सदस्यों की पूरी सूची तलब की है। सूची मिलने के बाद दोनों संगठनों के सदस्यता रिकॉर्ड का मिलान होगा, जिससे एक साथ दोनों जगह जुड़े वकीलों की स्थिति साफ हो सके। बरेली बार के अध्यक्ष मनोज कुमार हरित और सचिव दीपक पाण्डेय ने दो टूक कहा कि सोशल मीडिया और लेटरहेड से नए संगठन की जानकारी तो मिली है, लेकिन उनके सदस्यों का ब्योरा नहीं है। दोनों पदाधिकारियों ने बातचीत में स्पष्ट किया कि यदि कोई अधिवक्ता दूसरे संगठन के नाम से वकालतनामा या दस्तावेज अदालत में दाखिल करता है, तो इसे नियमों का उल्लंघन मानकर सदस्यता और सुविधाओं की समीक्षा होगी। सचिव दीपक पाण्डेय के मुताबिक, वर्ष 1892 से पंजीकृत बरेली बार की संपत्ति पर किसी अन्य संगठन का हक नहीं है; नए संगठन को चैंबर निर्माण या विकास कार्य अपनी भूमि और संसाधनों से करने चाहिए। उन्होंने यह भी साफ किया कि चैंबर आवंटन, मेडिकल, कैशलेस इंश्योरेंस और सहायता राशि केवल पात्र सदस्यों के लिए हैं। हालांकि, लिखित पत्र में अभी केवल सूची मांगी गई है, जबकि सुविधाओं और चैंबर पर रोक जैसी बातें पदाधिकारियों ने मौखिक बातचीत में रखी हैं। सूची मिलने और रिकॉर्ड मिलान के बाद ही आगे की कार्रवाई तय होगी।

अवैध तमंचे व कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली, भमौरा। थाना भमोरा पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक युवक को अवैध तमंचे और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम देवचरा से बल्लिया मार्ग पर नहर पुल के पास संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी।

इसी दौरान पकड़े गए बलवन्त कश्यप (निवासी ग्राम घाटमपुर, दातागंज, बदायूं) की तलाशी लेने पर उसके पास से 315 बोर का एक तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में उसने बताया कि उसने यह हथियार अपनी सुरक्षा के लिए बदायूं से खरीदा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया है।

बड़े पर्दे पर चमकेंगे बरेली के एक्टर मयंक वर्मा

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। यहां के युवा अभिनेता मयंक वर्मा मायानगरी मुंबई में अपनी किस्मत का सितारा चमका रहे हैं। टीवी से अपनी पहचान बनाने के बाद अब मयंक अब बड़े पर्दे पर अभिनय का जलवा दिखाने की तैयारी में हैं। उनकी दो फिल्मों की। दिसंबर के अंत तक शूटिंग शुरू होगी। बरेली जंक्शन से सेवानिवृत्त स्टेशन मास्टर मुकेश वर्मा के बेटे मयंक ने अभिनय में पहचान बनाने के लिए मुंबई का रुख किया था। उन्हें जी टीवी के चर्चित धारावाहिक मीत बदलेगी दुनिया की रीत से पहचान मिली थी।

धारावाहिक में अपने अभिनय से दर्शकों के बीच जगह बनाने के बाद मयंक फिल्मों में अपने अभिनय कौशल दिखाने की तैयारी में हैं। मयंक ने बताया कि दिसंबर में उनकी दो फीचर फिल्मों की शूटिंग शुरू होने वाली है। जिसमें से एक फिल्म सिनेमा रिलीज व दूसरी फिल्म ओटीटी प्लेटफार्म्स के लिए होगी। एक फिल्म की शूटिंग मुंबई और दिल्ली में प्रस्तावित है, जबकि दूसरी फिल्म की शूटिंग उत्तर प्रदेश में की जानी है। जल्द ही फिल्मों के नाम भी डिसक्लोज करेंगे। दोनों ही फिल्में बड़े प्रोडक्शन्स हाउस के बैनरों तले बन रही हैं। इन सीरियल्स में भी दिख चुके हैं मयंक वर्मा जी टीवी के धारावाहिक 'मीत बदलेगी दुनिया की रीत' के अलावा उन्होंने गुड्डन-तुमसे न हो पाएगा, चिकू-ये इश्क नचाए, सड्डा हक, परवरिश 2, खिड़की और बातें कुछ अनकही सी जैसे टीवी शो में काम किया। मौजूदा वक्त में वह कई वर्टिकल ड्रामा सीरीज में भी काम कर रहे हैं।

बेकाबू ट्रक ने बाइक को रोंदा, एक की मौत, दूसरा गंभीर

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। किला पुल के पास बड़ा हादसा हो गया। रविवार देर रात बेकाबू ट्रक ने बाइक, ई-रिक्शा और अन्य वाहन में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर भारी भीड़ जुट गई। ट्रेक घेर लिया। पुलिस पहुंची। इस बीच घंटों तक रामपुर रोड पर वाहनों का लंबा जाम लगा रहा।

पुलिस के अनुसार, ट्रक किला पुल से सीबीगंज की ओर जा रहा था। पुल से उतरते समय सत्यप्रकाश पार्क के पास ट्रक ने वहां से गुजर रही एक बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार जखीरा निवासी अजीम खान और कंघी टोला निवासी अफजल गंभीर रूप से घायल हो गए।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने राहगीरों की मदद से घायलों को जिला अस्पताल भेजा, मगर रास्ते में अजीम खान की मौत हो गई। घायल अफजल का इलाज चल रहा है। राहगीरों ने हादसे में कुछ और लोगों के भी जख्मी होने की बात कही है। उन्होंने कहा कि ट्रक ने एक ई-रिक्शा और गाड़ी में भी टक्कर मारी है। दुर्घटना के बाद भाग रहे ट्रक चालक को भीड़ ने दौड़ाकर पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। उसके नशे में होने की बात सामने आई है। इंस्पेक्टर किला सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि ट्रक को कब्जे में लेकर ड्राइवर के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

दो घंटे तक जाम में फंसे रहे वाहन हादसे के बाद ट्रक और बाइक सड़क पर होने के कारण किला पुल की ओर और सीबीगंज की तरफ वाहनों की कतार लग गई। करीब दो घंटे तक जाम लगा रहा। इस दौरान कार, बाइक, ई-रिक्शा समेत अन्य वाहनों में सवार लोग जाम में फंसे रहे। कई वाहन चालकों को काफी देर तक सड़क खुलने का इंतजार करना पड़ा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाया और ट्रैफिक सुचारू कराया।

सीबीगंज पुलिस ने जानलेवा हमले के आरोपी को तमंचे और कारतूस सहित किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। थाना सीबीगंज पुलिस ने जानलेवा हमले के मामले में वांछित चल रहे आरोपी चीपू उर्फ सुरेश को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने उसके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल 315 बोर का एक अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस भी बरामद किया है। एसएसपी बरेली के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सीबीगंज पुलिस टीम ने मुखबिर की सटीक सूचना पर कार्रवाई की। पुलिस ने आरोपी चीपू (23 वर्ष), निवासी ग्राम सरायतल्फी को अटरिया फाटक के पास सड़क किनारे से धर दबोचा। पूछताछ के दौरान आरोपी ने कबूल किया कि बरामद तमंचे से ही उसने बीते 9 जुलाई को रवि नाम के युवक पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाई थी और तब से फरार चल रहा था। पुलिस ने मामले में आर्म्स एक्ट की धाराएं बढ़ाते हुए आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

गणित को सरल व रूचिकर ढंग से पढ़ने को दिया प्रशिक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / फतेहगंज पश्चिमी। कस्बे के एक स्कूल मे चल रहे एफएलएन प्रशिक्षण के तीसरे दिन गणित के पुनर्समूहन को सरल, स्पष्ट और रुचिकर ढंग से बच्चों तक पहुंचाने के व्यावहारिक तरीकों की ट्रेनिंग शिक्षकों को दी। प्रशिक्षण सत्र में शिक्षकों व शिक्षामित्रों ने विभिन्न गतिविधियों मे प्रतिभाग कर गणित शिक्षण को अधिक प्रभावी बनाने के लिए उपयोगी तकनीकों एवं नवाचारों को समझा। गतिविधि आधारित शिक्षण के माध्यम से उन्होंने प्रतिभागी शिक्षकों को गणितीय अवधारणाओं को बच्चों तक सरल, स्पष्ट एवं रुचिकर ढंग से पहुंचाने के व्यावहारिक तरीकों की विस्तृत जानकारी दी। सत्र में एआरपी आशीष शर्मा, पूजा चौधरी, भगवान दास गंगवार, एलएलएफ ब्लॉक कोऑर्डिनेटर कमरुद्दीन आदि मौजूद रहे। शिक्षक व शिक्षामित्रों की विषयगत समझ को सुदृढ़ करते हुए बच्चों के बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान को मजबूत करने को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

सपनों को मिली सुरक्षित छत: मलूकपुर का 'सखी निवास' बना बेटियों का नया ठिकाना

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / ?बरेली। परिवार से दूर रहकर नौकरी करने या प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटी युवतियों के लिए सुरक्षित और किफायती आशियाना खोजना हमेशा से बड़ी चुनौती रहा है। जनपद के मलूकपुर पुलिस चौकी के पास संचालित 'सखी निवास' (वर्किंग वूमेन हॉस्टल) ने इस मुश्किल को आसान कर दिया है। मिशन शक्ति योजना के तहत संचालित यह हॉस्टल आज बेटियों के लिए सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन का बड़ा केंद्र बन चुका है। यहाँ नाममात्र के खर्च पर युवतियों और महिलाओं को घर जैसा माहौल मिल रहा है। परिसर में सुसज्जित कमरे, पौष्टिक भोजन, शुद्ध पेयजल, 24 घंटे सुरक्षा गार्ड और सीसीटीवी की तीसरी आंख से निगरानी जैसी पुख्ता व्यवस्थाएं हैं। अनुशासन और सुरक्षित माहौल के चलते दूर-दराज के जिलों व ग्रामीण इलाकों से आई छात्राएं बिना किसी डर के अपने करियर पर ध्यान दे पा रही हैं। ?कामकाजी माताओं को मिला 'पालना' का सहारा-इस हॉस्टल की सबसे बड़ी ताकत कामकाजी माताओं के लिए शुरू की गई डे-केयर (पालना) सुविधा है। छोटे बच्चों की देखभाल के अभाव में अक्सर महिलाओं को नौकरी या पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ती थी। अब वे अपने मासूमों को यहाँ सुरक्षित हाथों में सौंपकर बेफिक्र होकर दफ्तर, कॉलेज या कोचिंग जा रही हैं। ?महिला कल्याण विभाग की यह पहल धरातल पर आधी आबादी के हौसलों को नई उड़ान दे रही है। सुरक्षित छत और भरोसेमंद माहौल मिलने से अभिभावक भी निश्चिंत हैं और बेटियां पूरे आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को हकीकत में बदलने में जुटी हैं।

डायल-112 गाड़ी में पेट्रोल चोरी का खेल, दो पुलिसकर्मी सस्पेंड

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। पुलिस की डायल-112 गाड़ी से पेट्रोल चोरी का खेल सामने आया है। एसएसपी अनुराग आर्य ने इस मामले में कड़ी कार्रवाई करते हुए दो सिपाहियों को सस्पेंड कर दिया है। उनके खिलाफ विभागीय जांच भी बिठा दी है। एक होमगार्ड की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। उसके विरुद्ध भी जिला कमांडेंट को पत्र लिखा है। मामला शाही क्षेत्र का है। यहां डायल-112 की गाड़ी में ईंधन को गड़बड़ी को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही थीं। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, डायल-112 की गाड़ी संख्या 6854 पर तैनात पुलिसकर्मियों की भूमिका को लेकर शिकायत मिली थी। इस तरह दोनों पर दायित्वों के विपरीत काम करने और पुलिस की छवि खराब करने के गंभीर आरोप सामने आए। जांच के बाद एसएसपी ने हेड कांस्टेबल ब्रजेश कुमार और कांस्टेबल मोन्टी कुमार को सस्पेंड कर दिया। दोनों के खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू कराई गई है। मामले में होमगार्ड मुकेश शर्मा का नाम भी सामने आया है। उसके खिलाफ कार्रवाई के लिए जिला कमांडेंट होमगार्ड को पत्र भेजा गया है।

घरवालों ने मोबाइल नहीं दिलाया तो रात में नदी की तरफ भागा किशोर, दौड़े परिजन-पुलिस

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। एक किशोर ने नए मोबाइल फोन की जिद पकड़ ली। माता-पिता के इनकार पर वह नाराज होकर रात के 10 बजे घर से भाग गया। काफी देर तक जब नहीं लौटा तो परिजन घबरा गए। इसलिए भी क्योंकि अक्सर वो खुद को नुकसान पहुंचाने की धमकी देता रहता था। परेशान परिजनों ने पुलिस को खबर दी। रात में ही परिजन और पुलिस उसकी तलाश में जुट गए। काफी तलाश के बाद आधी रात को वह इटौदा नदी और नहर के बीच मिला। गनीमत रही कि वह सकुशल है। पुलिस ने उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया। घटनाक्रम भोजीपुरा थाना क्षेत्र के पीपलसाना चौधरी गांव का है। गांव का 17 वर्ष का एक किशोर अपने घरवालों से नया मोबाइल दिलाने की मांग कर रहा था। इसी को लेकर रविवार की रात भी बातचीत हुई। किशोर भड़क गया। गुस्से में घर से भाग गया। बताते हैं कि वो अक्सर घरवालों को खुद को नुकसान पहुंचाने की चेतावनी भी दिया करता था। इसलिए परिजनों का परेशान होना लाजिमी था। रात 10 बजे किशोर के घर से भागने पर परिजन घबरा गए। उन्होंने डायल 112 पर फोन किया। पुलिस पहुंची। रात में ही पुलिस और परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की। इटौवा नदी के पास पहुंचे तो युवक नदी और नहर के बीच खड़ा था। किसी तरह सभी ने उसे समझाया और घर लेकर आए।

लंबित आवेदनों के निराकरण में समय-सीमा और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें : कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा- कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने सोमवार को कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में जिले में लंबित आवेदनों के निराकरण सहित विभिन्न विभागों द्वारा संचालित अभियानों एवं योजनाओं के क्रियान्वयन की अद्यतन स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से लंबित प्रकरणों पर की गई कार्रवाई की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रकरण का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने सेवा संकल्प अभियान एवं मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की समीक्षा करते हुए कहा कि निर्धारित दिवसों एवं तिथियों के अनुसार अभियान की गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन महत्वपूर्ण अभियानों के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर चूक न हो तथा निर्धारित अवधि में संबंधित प्रकरणों एवं कार्यों का निराकरण सुनिश्चित किया जाए। नल-जल योजनाओं के हस्तांतरण से पहले व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश कलेक्टर ने नल-जल योजनाओं को ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित किए जाने से पूर्व संबंधित विभाग को व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को योजना के संचालन, रखरखाव एवं उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में आवश्यक जानकारी दी जाए, ताकि योजनाओं के हस्तांतरण के बाद उनका सुचारू संचालन सुनिश्चित हो सके। वन विस्थापन प्रकरणों में एसडीएम बैठकें आयोजित करें वन विस्थापन से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने बताया कि धारा-6 का प्रकाशन हो चुका है। उन्होंने संबंधित एसडीएम को अपने स्तर पर बैठकें आयोजित कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आवश्यकता होने पर इन बैठकों में वन विभाग के डीएफओ भी उपस्थित रहेंगे, ताकि प्रकरणों का समन्वय के साथ निराकरण किया जा सके। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत पौधरोपण के लिए आवश्यक पौधे वन विभाग की नर्सरियों से आवश्यकता के अनुसार क्रय करने के निर्देश भी कलेक्टर ने संबंधित विभागों को दिए। अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण कलेक्टर श्री गुप्ता ने अनुकंपा नियुक्ति के लंबित प्रकरणों पर विशेष बल देते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे मामलों में आवश्यक कार्रवाई समय-सीमा में पूरी की जाए। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों से संबंधित प्रकरण अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहने चाहिए। सूख चुके हैंडपंपों के लिए मनरेगा से कराएं रिचार्ज कार्य जल उपलब्धता की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर हैंडपंपों के जलस्त्रोत सूख गए हैं, वहां जलस्त्रोतों को पुनर्भरण करने के लिए मनरेगा के माध्यम से रिचार्ज संबंधी कार्य कराए जाएं। उन्होंने स्थानीय स्तर पर आवश्यकता का आकलन कर प्राथमिकता के आधार पर कार्य कराने के निर्देश दिए।

विभागीय फेसबुक आईडी पर नियमित रूप से अपडेट जानकारी अपलोड करें

कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागों की फेसबुक आईडी पर योजनाओं, उपलब्धियों, गतिविधियों एवं महत्वपूर्ण जानकारियों को नियमित रूप से अपडेट करते हुए अपलोड किया जाए। उन्होंने कहा कि डिजिटल माध्यमों के जरिए आमजन को विभागीय योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी आसानी से उपलब्ध हो सके, इसके लिए सूचना का नियमित प्रसार आवश्यक है

यूपीआई भुगतान पर शुल्क के विरोध में व्यापारियों का अभियान, कैशलेस भुगतान से बचने की अपील

क्यूँ न लिखूँ सच / धनतेरस और दीपावली से पहले व्यापारियों ने उठाई आवाज, सरकार से व्यापारी हित में निर्णय लेने की मांग मीरगंज। उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल की बैठक सोमवार को मीरगंज स्थित बादशाह फुटवियर दुकान पर जिलाध्यक्ष अकरम खान की अध्यक्षता में हुई। बैठक में यूपीआई और कैशलेस भुगतान पर प्रस्तावित शुल्क के विरोध में बाजारों में अभियान चलाने को लेकर चर्चा की गई। व्यापारियों ने सरकार से व्यापारी हित में निर्णय लेने की मांग उठाई। जिलाध्यक्ष अकरम खान ने कहा कि व्यापारी पहले से ही ऑनलाइन ट्रेडिंग की चुनौती से जूझ रहे हैं। धनतेरस और दीपावली जैसे प्रमुख त्योहार नजदीक हैं। ऐसे समय में ऑनलाइन भुगतान पर शुल्क लगाए जाने की चर्चाओं से व्यापारियों की चिंता बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को व्यापारियों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए उचित निर्णय लेना चाहिए। जिला महासचिव कमल गुप्ता ने कहा कि छोटे दुकानदारों से लेकर बड़े शॉपिंग मॉल तक डिजिटल भुगतान का इस्तेमाल हो रहा है। ऐसे में शुल्क लगाए जाने से छोटे और मध्यम व्यापारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ सकता है। उन्होंने व्यापारियों से सरकार की ओर से व्यापारी हित में निर्णय लिए जाने तक कैशलेस भुगतान से बचने की अपील की। बैठक में जिला उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार गर्ग, जिला सचिव गौरव गर्ग, उबैस अख्तर अंसारी, जावेद आलम, जाकिर हुसैन सहित अन्य व्यापारी मौजूद रहे।

घर के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की लाइन, हादसे का खतरा

क्यूँ न लिखूँ सच / / फतेहगंज पश्चिमी। भिटोरा रेलवे फाटक पर पुल निर्माण और सड़क चौड़ीकरण के चलते बिजली के पुराने पोल हटाकर नए स्थान पर लगाए जा रहे हैं। इसी दौरान कुरतरा शाही रोड और बीएसएफ रोड के सामने रहने वाले लोगों ने नए बिजली पोल को लेकर हादसे की आशंका जताई है।कुरतरा निवासी प्रकाश शर्मा समेत ग्रामीणों ने बिजली विभाग के डिवीजन ऑफिसर को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि नया बिजली पोल घर के पास लगा दिया गया है। इससे 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन घर की छत और बालकनी के पास से कम दूरी पर गुजर रही है। ग्रामीणों का कहना है कि लाइन की कम दूरी के कारण कभी भी गंभीर हादसा हो सकता है।ग्रामीणों ने विभाग से मौके पर जांच कराकर बिजली पोल को निर्धारित सुरक्षा दूरी पर लगवाने और हाईटेंशन लाइन को घरों से दूर कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य पूरा होने से पहले समस्या का समाधान किया जाए, ताकि भविष्य में किसी अनहोनी से बचा जा सके। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि विभाग ने उनकी शिकायत पर कार्रवाई नहीं की तो वे धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। प्रार्थना पत्र देने वालों में जानकी प्रसाद, देवेंद्र सिंह, जयंती देवी, संजीव भारद्वाज, मंगल सेन, विकास, धर्मवती, पार्वती, प्रमोद, मोहनलाल, बिट्टो देवी आदि लोग शामिल रहे।

निर्मल मन से की गई भक्ति से प्राप्त होते हैं भगवान : अतुल कृष्ण भारद्वाज

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच / । श्रीराम कथा के तीसरे दिन कथा व्यास परम पूज्य अतुल कृष्ण भारद्वाज ने भगवान श्रीराम के जन्म का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि जब-जब धरती पर अधर्म बढ़ता है,

तब-तब भगवान किसी न किसी रूप में अवतार लेकर धर्म की स्थापना और अधर्म का नाश करते हैं। भगवान कण-कण में विद्यमान हैं और उन्हें प्राप्त करने का मार्ग सच्चे मन से की गई भक्ति है।

उन्होंने कहा कि भगवान भक्त के प्रेम और भाव के वशीभूत रहते हैं। त्रेता युग में अधर्म के बढ़ने पर भगवान श्रीराम ने माता कौशल्या की कोख से जन्म लेकर राक्षसी शक्तियों का विनाश किया और धर्म की रक्षा की। उन्होंने धर्म और संप्रदाय में अंतर बताते हुए कहा कि धर्म व्यक्ति के भीतर एकजुटता का भाव पैदा करता है, जबकि संप्रदाय बाहरी रूप से लोगों को जोड़ता है।

कथा व्यास ने युवा पीढ़ी में भारतीय संस्कृति और संस्कारों के प्रति जागरूकता की आवश्यकता बताते हुए कहा कि माताओं के चिंतन, खान-पान, पठन-पाठन और रहन-सहन का गर्भस्थ शिशु पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

इसलिए गर्भावस्था में सात्विक भोजन, सकारात्मक चिंतन और भगवान का स्मरण करना चाहिए।

भगवान श्रीराम के जन्म प्रसंग में उन्होंने जय-विजय के श्राप तथा मनु-सतरूपा की तपस्या का प्रसंग सुनाया। भगवान राम के जन्म की कथा और भजन के दौरान श्रद्धालु भावविभोर होकर झूम उठे।

पंडाल में पुष्पवर्षा के बीच जय श्रीराम के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया।

इस दौरान क्षेत्रीय प्रचार प्रमुख राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पद्म सिंह, जिला प्रचारक संजीव कुमार, जिला प्रचारक दीपक, प्रांत प्रमुख धर्म जागरण धर्मेंद्र, ऋषिपाल सिंह चौधरी, पूर्व अध्यक्ष बाल संरक्षण आयोग डॉ. विशेष गुप्ता, बनवारी लाल पाठक, निखिल पांडे, अभिषेक राठौर, आशीष शंकर पांडे, दिनेश कुमार, संजय राणा, लवली यादव, अभिषेक पांडे, कौशल सिंह, मुकुल पांडे, नितिन डुडेजा, उदयवीर सिंह, मुन्ना श्रोतीय और विभोर पांडे सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

हाईवे पर जलभराव को लेकर गडकरी को विधायक ने लिखा पत्र

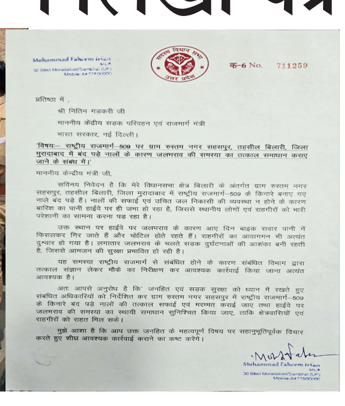

बिलारीक्यूँ न लिखूँ सच / रुस्तम नगर सहसपुर में राष्ट्रीय राजमार्ग-509 के किनारे बंद पड़े नालों के कारण हो रहे जलभराव की समस्या को लेकर विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र भेजा है। उन्होंने समस्या के तत्काल समाधान की मांग की है। विधायक ने पत्र में बताया कि नालों की सफाई और उचित जल निकासी नहीं होने के कारण बारिश का पानी हाईवे पर जमा हो रहा है। जलभराव के चलते राहगीरों और स्थानीय लोगों को परेशानी हो रही है। आए दिन बाइक सवार पानी में फिसलकर चोटिल हो रहे हैं तथा सड़क दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर नालों की तत्काल सफाई व मरम्मत कराने और जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान कराने का अनुरोध किया है।

व्यापार मंडल ने तहसीलदार से मिलकर समस्याएं उठाई

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच / । उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के पदाधिकारियों ने नवागत तहसीलदार धीरज कुमार सिंह से मुलाकात कर नगर की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। व्यापारियों ने विद्युत की अघोषित कटौती, शाहबाद रोड पर चरण सिंह पार्क तक खराब सड़क, शाहबाद रोड और रेलवे स्टेशन रोड पर बने अवैध कटों तथा सरकारी अस्पताल में त्वचा रोग विशेषज्ञ की तैनाती का मुद्दा उठाया। व्यापारियों ने कहा कि इन समस्याओं से आमजन और व्यापारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने संबंधित विभागों के माध्यम से शीघ्र कार्रवाई कराने की मांग की। तहसीलदार धीरज कुमार सिंह ने समस्याओं को गंभीरता से सुनकर आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जैन, सुरेंद्र चुग, नितिन डूडेजा, अरिहंत जैन, अभिषेक शर्मा एडवोकेट, सुधीर अग्रवाल, प्रदीप सिंघल, शिव ओम गुप्ता, रमाकांत गुप्ता आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

अगरास में पांच दिवसीय प्राचीन ध्वजा मेले का शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। थाना क्षेत्र के गांव अगरास में स्थित महापुरुष बाबा की मढ़ी पर प्रसिद्ध प्राचीन पांच दिवसीय ध्वजा मेले का शुभारंभ सोमवार को विधि-विधान के साथ ध्वजा लगाकर किया गया।ध्वजा फहराने के अवसर पर जिला पंचायत सदस्य तेजेश्वरी सिंह गंगवार, मेला अध्यक्ष दर्पण गंगवार, मेला संरक्षक अमित सिंह, पूर्व विधायक नरेंद्र पाल सिंह गंगवार, पं. आलोक शर्मा, पं. सत्य प्रकाश शर्मा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।मेला अध्यक्ष दर्पण गंगवार ने बताया कि 5 दिन तक चलने वाले इस ध्वजा मेले में फर्रुखाबाद की प्रसिद्ध साधना नाटक मंडली द्वारा मंचन किया जाएगा। मेले में आसपास के दर्जनों गांवों से श्रद्धालु आकर बाबा की मढ़ी पर प्रसाद चढ़ाकर पूजा-अर्चना करते हैं। मेले में दुकानें सज गई हैं और बच्चों के मनोरंजन के लिए आकर्षक झूले भी लगाए गए हैं।मेले की व्यवस्था में लाल बहादुर गंगवार, नत्थू लाल गंगवार, राम भरोसे कश्यप, वेद प्रकाश साहू सहित अन्य ग्रामीणों का सहयोग रहा।

चाकू से हमला कर युवक घायल, आरोपी पर मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच / / फतेहगंज पश्चिमी। कस्बे के मोहल्ला अंसारी में युवक पर चाकू से हमला करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पीड़ित अंशू पुत्र मनोज सिंह निवासी मोहल्ला अंसारी, ने पुलिस को तहरीर देकर मोहल्ले के ही अमित यादव पुत्र गिरीश यादव पर चाकू मारकर घायल करने, मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है।तहरीर के अनुसार, रविवार की शाम अंशू कस्बे से अपने घर जा रहा था। रास्ते में अमित यादव ने उसे रोक लिया। उसके बाद उसके साथ मारपीट करते हुए गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देते हुये चाकू से हमला कर दिया।जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने घायल को मेडिकल को भेज तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विधायक डीसी वर्मा ने 72 लाख की लागत से बनने वाली सड़क का किया शिलान्यास

क्यूँ न लिखूँ सच / / फतेहगंज पश्चिमी। सोमवार को मीरगंज विधायक डीसी वर्मा ने गांव कुरतरा से सत्युइया खास तक डाले जा रहे करीब 72 लाख की लागत से एक किमी लंबे डामर रोड का शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने सरकार की जनहित योजनाओं और उपलब्धियां गिनाईं। जानकारी के मुताबिक शिलान्यास कार्यक्रम में पहुंचे विधायक डीसी वर्मा ने बताया कि उन्होंने प्रयास करके समूची विधानसभा में सड़कों का जाल बिछा रखा है। वहीं रामगंगा नदी समेत कई नदियों पर कई सौ करोड़ की लागत से 19 पुल बनवाए हैं। बताया कि गांव कुरतरा से लक्ष्मण जती माता रानी मंदिर से होते हुए सातूइया तक जाने वाला रोड बारिश के दिनों में दलदल में बदल जाता था।लोगो को मंदिर तक आने जाने में भारी दिक्कत का सामना करना पड़ता था।केपी गंगवार की अगुवाई में तमाम ग्रामीणों के आग्रह पर अब यह रोड 72 लाख से बनना शुरू हो गया है।ग्रामीणों की शिकायत पर विधायक ने ठेकेदार अमित अग्रवाल को सुरक्षा दीवार पूरी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि फतेहगंज-शाही रोड का करीब 8 करोड़ से चौड़ीकरण होगा, जिसका शिलान्यास रविवार को किया गया। ग्रामीणों ने विधायक डीसी वर्मा का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर मीरगंज गन्ना समिति चेयरमैन तेजपाल गंगवार, बब्लू गंगवार, शक्ति संयोजक उमेश साहू, बूथ अध्यक्ष सोमपाल साहू, राजाराम बाल्मीक, टीकाराम सागर, शेर सिंह सागर, श्यामबिहारी गंगवार, चोखे लाल गंगवार, जयदेव गंगवार, सुनील गंगवार, हीरालाल सागर आदि मौजूद रहे।

नितिन नवीन बोले- यूपी को बांटने की कोशिश न हो, पं.बंगाल में जवाब मिला, विकास का रथ रुकने नहीं देंगे

मेरठ में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शक्ति केंद्र कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने यूपी को बांटने की कोशिश खत्म करने, विकास का रथ जारी रखने और युवाओं की भूमिका पर बात की।भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि 2027 में उत्तर प्रदेश में फिर से जो राजनीतिक खेल खेलने का प्रयास किया जा रहा है, उसे खत्म करना है और प्रदेश के विकास के रथ को रुकने नहीं देना है। उन्होंने कहा कि इसी संकल्प के साथ शक्ति केंद्र के कार्यकर्ता यहां जुटे हैं। मिशन-2027 के मद्देनजर नितिन नवीन सोमवार और मंगलवार को मेरठ और सहारनपुर के दौरे पर हैं। दो दिवसीय दौरे में वह पार्टी नेताओं, पदाधिकारियों, शक्ति केंद्र संयोजकों और जमीनी कार्यकर्ताओं से संवाद कर रहे हैं। मेरठ में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने युवाओं को राष्ट्र निर्माण की मौजूदा ताकत बताया।

एसएसपी नें किया महिला आवास निर्माण कार्य का किया भूमि पूजन

क्यूँ न लिखूँ सच / जनपद बदायूँ में महिला पुलिसकर्मियों को बेहतर एवं सुरक्षित आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज एसएसपी अंकिता शर्मा द्वारा नवनिर्मित महिला आवास के निर्माण कार्य का भूमि पूजन कर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूँ द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर निर्माण कार्य की आधारशिला रखी गई। इस प्रस्तावित महिला आवास के निर्माण से महिला पुलिसकर्मियों को आधुनिक, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आवासीय सुविधा प्राप्त होगी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूँ द्वारा कहा गया कि महिला पुलिसकर्मी विभाग की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उनकी आवासीय एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करना विभाग की प्राथमिकता है, जिससे वह और अधिक मनोयोग से अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता एवं मानकों का विशेष ध्यान रखते हुए कार्य को समयबद्ध रूप से पूर्ण कराया जाए। इस अवसर पर सहायक पुलिस अधीक्षक/ क्षेत्राधिकारी नगर श्री सुमेध मिलिंद जाधव, प्रतिसार निरीक्षक श्री इंद्रजीत सिंह एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा देर रात्रि थाना नवीन मॉडर्न श्रावस्ती का किया गया औचक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती। अपर पुलिस अधीक्षक चंद्रकेश सिंह द्वारा देर रात्रि थाना नवीन मॉडर्न श्रावस्ती का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान थाना परिसर, कार्यालय के रजिस्टरो, महिला हेल्प डेस्क, सीसीटीएनएस कार्यालय, बंदीगृह आदि का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ड्यूटीरत कर्मियों से उनके कार्य के बारे में जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। तत्पश्चात थाना प्रभारी को आगामी त्योहारों को सकुशल संपन्न करने के दृष्टिगत तथा चोरी की घटनाओ की रोकथाम हेतु समय से रात्रि गस्त ड्यूटी भेजने व निरंतर क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर वाहनों, रात्रि ड्यूटी, बैंक सुरक्षा ड्यूटी आदि की गहनता से चेकिंग करने के निर्देश दिए।

राजस्थान में बाजरा उत्पादन की आधुनिक तकनीक सीखेंगे शिवपुरी के 50 किसान

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। मध्य प्रदेश राज्य मिलेट मिशन योजना के तहत जिले के 50 किसानों का दल सोमवार को राजस्थान के कृषि अध्ययन भ्रमण के लिए रवाना हुआ। उप संचालक कृषि मुनेश कुमार शाक्य एवं सहायक संचालक कृषि डॉ. किरन रावत ने हरी झंडी दिखाकर दल को रवाना किया। आत्मा के ब्लॉक तकनीकी प्रबंधक मंजेश त्यागी एवं कृषि विस्तार अधिकारी संदीप कुमार रावत के नेतृत्व में रवाना हुआ किसान दल राजस्थान के सवाई माधोपुर, अजमेर, भरतपुर, जयपुर एवं जोधपुर सहित विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण करेगा। भ्रमण के दौरान किसान कृषि वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों से बाजरा तथा अन्य मिलेट फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीक, नई किस्मों और प्रसंस्करण विधियों की जानकारी प्राप्त करेंगे। साथ ही विभिन्न कृषि एवं शोध संस्थानों में आधुनिक तकनीकों का प्रत्यक्ष अवलोकन करेंगे। कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों से अध्ययन भ्रमण के दौरान प्राप्त जानकारी को अपने खेतों में अपनाने तथा जिले में मिलेट फसलों के उत्पादन एवं गुणवत्ता को बढ़ावा देने की अपील की।

पीलीभीत में 100 करोड़ से अधिक के साइबर फ्रॉड का खुलासा, गैंग के 2 शातिर ठग गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच /मोहम्मद सलीम / पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से 01 लैपटॉप, 06 मोबाइल फोन, 16 फर्जी आधार कार्ड, 10 एटीएम कार्ड, 07 चेकबुक और 10 बैंक पासबुक बरामद की ऑपरेशन साइ-वज्र के तहत जहानाबाद पुलिस की बड़ी कार्रवाई, करोड़ों के संदिग्ध लेनदेन का खुलासा पीलीभीत यूपी। ऑपरेशन साइ-वज्र के तहत थाना जहानाबाद पुलिस ने म्यूल अकाउंट के जरिए संचालित कथित बड़े साइबर फ्रॉड नेटवर्क का खुलासा करते हुए दो आरोपियों मोहसिन और राहुल को गिरफ्तार किया है। क्षेत्राधिकारी सदर नताशा गोयल के अनुसार नेटवर्क से जुड़े बैंक खातों के संबंध में देश के विभिन्न राज्यों से करीब 200 साइबर शिकायतें सामने आई हैं। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से 01 लैपटॉप, 06 मोबाइल फोन, 16 फर्जी आधार कार्ड, 10 एटीएम कार्ड, 07 चेकबुक और 10 बैंक पासबुक बरामद की हैं। साइबर शिकायतों से जुड़े खातों में उपलब्ध करीब 5 लाख रुपये की धनराशि होल्ड कराई गई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि गिरोह कथित तौर पर 47 BET गेमिंग प्लेटफॉर्म और विभिन्न इन्वेस्टमेंट प्लान के माध्यम से लोगों को निवेश पर लाभ का लालच देकर साइबर ठगी करता था। ठगी की रकम के लेनदेन के लिए गरीब एवं जरूरतमंद लोगों के दस्तावेज लेकर उनके नाम पर बैंक खाते खुलवाए जाते और पासबुक, एटीएम व चेकबुक अपने कब्जे में लेकर खातों को म्यूल अकाउंट के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। पुलिस के अनुसार, विभिन्न खातों से जुड़ी साइबर शिकायतों के प्रारंभिक विश्लेषण में करोड़ों रुपये के संदिग्ध वित्तीय लेनदेन सामने आए हैं। इन लेनदेन में हारून के खाते से जुड़ी 85 शिकायतों में करीब 42.54 करोड़ रुपये, मोहसिन के खाते से जुड़ी 15 शिकायतों में करीब 32 करोड़ रुपये और राहुल के खाते से जुड़ी 34 शिकायतों में करीब 28 करोड़ रुपये के लेनदेन का विवरण सामने आया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि इन रकमों में वास्तविक ठगी की धनराशि और लेनदेन के संबंध में विस्तृत वित्तीय एवं तकनीकी जांच जारी है। मामले की शुरुआत स्थानीय व्यक्ति द्वारा दस्तावेज लेकर उसके नाम पर खाते खुलवाए जाने और संदिग्ध लेनदेन में इस्तेमाल किए जाने की शिकायत से हुई थी। जांच में कई अन्य स्थानीय लोगों के खाते भी सामने आए, जिनमें 50 लाख रुपये से अधिक के संदिग्ध साइबर फ्रॉड संबंधी लेनदेन पाए गए। पुलिस के मुताबिक गिरोह से जुड़े विशाल मौर्य और फरमान की भूमिका भी सामने आई है, जिनकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। बरामद मोबाइल फोन और लैपटॉप के डिजिटल डाटा का फॉरेंसिक/एफएसएल परीक्षण कराया जा रहा है। साथ ही अन्य म्यूल अकाउंट, लाभार्थियों और नेटवर्क से जुड़े लोगों की पहचान के लिए मनी ट्रेल व डिजिटल साक्ष्यों का विश्लेषण किया जा रहा है।

उद्योग बंधु की बैठक में ऋण पत्रावलियों के निस्तारण पर जोर

क्यूँ न लिखूँ सच /आज जनपद बदायूँ में जिलाधिकारी अवनीश राय की अध्यक्षता में जिला उद्योग बंधु की बैठक सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में उद्यमियों की समस्याओं, शासन की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत ऋण पत्रावलियों की स्थिति तथा औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने ऋण पत्रावलियों को अनावश्यक रूप से लंबित रखने तथा बिना उचित कारण के उन्हें अस्वीकृत किए जाने पर बैंकर्स के प्रति नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने बैंकर्स से पत्रावलियों के लंबित एवं अस्वीकृत होने के कारणों की जानकारी ली। बैंकर्स द्वारा बताया गया कि कई मामलों में आवेदक स्वयं ऋण लेने में रुचि नहीं रखते हैं, जिसके कारण उनकी पत्रावलियां अस्वीकृत की जाती हैं। इस पर जिलाधिकारी ने उक्त दावे का सत्यापन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित को कंट्रोल रूम को ऋण आवेदकों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि कंट्रोल रूम द्वारा आवेदकों से सीधे दूरभाष पर संपर्क कर ऋण लेने में उनकी रुचि, आवेदन की वर्तमान स्थिति तथा ऋण प्राप्त न होने के कारणों की जानकारी प्राप्त की जा सके।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी ऋण पत्रावली को आवेदक को कारण बताए बिना अस्वीकृत न किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि कोई पत्रावली अस्वीकृत की जाती है तो उसके पीछे का स्पष्ट एवं उचित कारण दर्ज होना चाहिए। उन्होंने बैंकर्स को ऋण योजनाओं के पात्र आवेदकों की पत्रावलियों का गंभीरता से परीक्षण करते हुए नियमानुसार शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में उद्यमियों द्वारा विभिन्न समस्याएं भी जिलाधिकारी के समक्ष रखी गईं। उद्यमियों ने कछला अंत्येष्टि स्थल पर मशीन खराब होने, ईंधन की व्यवस्था सहित अंत्येष्टि स्थल से संबंधित समस्याओं, सड़कों पर गड्ढे एवं गंदगी सहित अन्य समस्याओं से अवगत कराया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को उद्यमियों द्वारा उठाई गई समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण कराने के निर्देश दिए।

बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों से भी जिलाधिकारी द्वारा जवाब तलब किया गया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिला उद्योग बंधु की बैठकों में नियमित रूप से प्रतिभाग करते हुए उद्यमियों की समस्याओं के समाधान में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला, उपायुक्त उद्योग सचिन जैन सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

एक अक्टूबर से ओवरलोड स्कूली वाहनों पर होगी कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच / जनपद बदायूँ में जिलाधिकारी अवनीश राय की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में जिला विद्यालय परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विद्यालयों में विद्यार्थियों के सुरक्षित आवागमन, स्कूली वाहनों की फिटनेस, सड़क सुरक्षा मानकों के अनुपालन तथा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई।जिलाधिकारी ने स्कूली वाहनों में निर्धारित क्षमता से अधिक विद्यार्थियों को बैठाए जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि आगामी 01 अक्टूबर से यदि कोई स्कूली वाहन निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों को ले जाता हुआ पाया जाता है तो वाहन स्वामी के साथ-साथ संबंधित विद्यालय के विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को निर्देशित किया कि प्रत्येक स्कूली वाहन में निर्धारित संख्या में ही विद्यार्थियों को बैठाया जाए तथा इस संबंध में प्रमाण पत्र जिला विद्यालय निरीक्षक को उपलब्ध कराया जाए।उन्होंने निर्देश दिए कि विद्यालयों द्वारा केवल मानकों के अनुरूप फिट एवं सुरक्षित वाहनों का ही संचालन सुनिश्चित किया जाए। प्रत्येक स्कूल बस एवं वैन की फिटनेस, परमिट, बीमा, प्रदूषण प्रमाण-पत्र तथा चालक के ड्राइविंग लाइसेंस की वैधता सुनिश्चित की जाए। किसी भी दशा में अनफिट अथवा निर्धारित मानकों के विपरीत विद्यालय वाहन का संचालन न किया जाए। स्कूली वाहनों के चालक एवं परिचालक निर्धारित वर्दी में रहें तथा उनके चरित्र प्रमाण-पत्र अनिवार्य रूप से प्राप्त किए जाएं।जिलाधिकारी ने कहा कि स्कूली वाहनों में प्राथमिक उपचार किट, अग्निशमन यंत्र, आपातकालीन निकास, सीट बेल्ट सहित अन्य आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध रहना सुनिश्चित किया जाए। विद्यालय प्रबंधन द्वारा वाहनों की नियमित जांच तथा आवश्यक अभिलेखों को अद्यतन रखा जाए। निर्धारित मानकों का उल्लंघन करने वाले विद्यालयीन वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई की जाए।उन्होंने विद्यालयों के आसपास यातायात व्यवस्था को सुरक्षित बनाने के लिए आवश्यकतानुसार स्पीड ब्रेकर, जेब्रा क्रॉसिंग, चेतावनी संकेतक, नो-पार्किंग व्यवस्था एवं अन्य यातायात संकेतों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रत्येक विद्यालय में विद्यालय परिवहन सुरक्षा समिति का गठन जल्द से जल्द कराने को कहा।जिलाधिकारी ने विद्यालय प्रबंधन को निर्देशित किया कि विद्यार्थियों को यातायात नियमों, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग, सड़क पार करने के सुरक्षित तरीकों तथा आपातकालीन परिस्थितियों में बरती जाने वाली सावधानियों के संबंध में नियमित रूप से जागरूक किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि विद्यार्थियों की स्कूल डायरी में स्पष्ट रूप से संदेश अंकित कराया जाए कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को वाहन चलाने की अनुमति न दी जाए। उन्होंने अभिभावकों से भी बच्चों की सुरक्षा के प्रति सजग एवं सावधान रहने तथा नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने की अनुमति न देने की अपील की। जिलाधिकारी ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय से विद्यालयीन वाहनों की नियमित जांच एवं सड़क सुरक्षा अभियान संचालित करने तथा 01 अक्टूबर से नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

सीमांत मुख्यालय लखनऊ की टीम ने सीमांत मुख्यालय पटना को 3-2 से हराकर जीत दर्ज की

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती सीमांत मुख्यालय स.सी.ब.सिलीगुड़ी में आयोजित अंतर सीमांत फुटबॉल प्रतियोगिता के रोमांचक मुकाबले के साथ हुआ। प्रतियोगिता के मैच में सीमांत मुख्यालय लखनऊ की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सीमांत मुख्यालय पटना की टीम को 3-2 से पराजित कर जीत दर्ज की। दोनों टीमों के बीच मुकाबला शुरुआत से ही रोमांचक रहा। खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन एवं टीम भावना का प्रदर्शन किया। सीमांत मुख्यालय लखनऊ की टीम ने बेहतर तालमेल और आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए मुकाबले में 3-2 से विजय हासिल की। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए प्रतियोगिता में उत्कृष्ट खेल भावना एवं अनुशासन के साथ प्रतिभाग करने की शुभकामनाएं दीं।

अपर पुलिस अधीक्षक ने इंडो-नेपाल बॉर्डर पर पुलिस व स्स्क के साथ सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती। जनपद में सुरक्षा एवं सतर्कता को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी द्वारा इंडो-नेपाल बॉर्डर सहित जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में सघन चेकिंग एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक चन्द्रकेश सिंह द्वारा थाना सिरसिया क्षेत्रान्तर्गत इंडो-नेपाल बॉर्डर स्थित तुरुस्मा चेक पोस्ट पर ठ के साथ संयुक्त रूप से वाहनों की चेकिंग की गई तथा सीमा स्तम्भसंख्या 638 का निरीक्षण किया गया।इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए संबंधित पुलिस एवंठ कर्मियों को सतर्कता बरतने तथा संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की निरंतर चेकिंग करने हेतु निर्देशित किया गया।

छर्च में आज होगी जनसुनवाई

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। पोहरी तहसील की ग्राम पंचायत छर्च में मंगलवार, 22 सितंबर को

सुबह 11 बजे से जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा ने सभी संबंधित कार्यालय प्रमुखों एवं जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्धारित समय पर उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं। जनसुनवाई में ग्रामीणों से प्राप्त शिकायतों एवं आवेदन पत्रों को सुना जाएगा तथा उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण की कार्रवाई की जाएगी। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान सुनिश्चित करना है। वहीं जिला कार्यालय में आयोजित होने वाली नियमित जनसुनवाई के लिए अपर कलेक्टर को शिवपुरी विकासखंड के अधिकारियों के साथ आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन का प्रयास है कि दूर-दराज के ग्रामीणों को अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए अनावश्यक परेशानी न हो और आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण किया जा सके।

Everyone from children to adults will love this tasty potato-onion uttapam, and the recipe is also quite simple.

The hassle of preparing a tasty and healthy breakfast for children and adults during the morning rush can now be over. Yes, we are going to share with you an easy recipe for potato-onion uttapam. Delicious potato-onion uttapam is made with semolina and yogurt. The topping of grated potatoes and onions enhances the flavor. Ready in minutes, a perfect option for children's lunch. Whether it's a rush in the morning or preparing lunch for the kids, you often struggle to decide what to make that is tasty, healthy, and quick. If you too face this dilemma every morning, then you need not worry at all. Today we bring you a wonderful recipe for potato-onion uttapam. This is a dish that will bring smiles to the faces of children and will be enjoyed by adults alike. The best part is that you don't need to spend hours in the kitchen. It's ready in minutes with simple ingredients readily available at home. Let's learn how to make it. Ingredients for Potato-Onion Uttapam: Semolina: 1 cup Yogurt: 1/2 cup Raw potato: 1 onion: 1 large Green chili: 1-2 finely chopped Coriander leaves: 2 tablespoons Salt: to taste Chaat masala or black pepper powder: 1/2 teaspoon Water: for making the batter Oil or butter: for baking the uttapam Method for Potato-Onion Uttapam: First, mix the semolina and yogurt thoroughly in a large bowl. Now, add water little by little to form a thick batter. Be sure the batter isn't too thin; it should be like idli batter. Add salt to taste, cover, and let it rest for 10-15 minutes to allow the semolina to swell. While the semolina is rising, prepare the topping. Squeeze out all the water from the grated raw potatoes with your hands. In another bowl, add the potatoes, finely chopped onions, green chilies, coriander leaves, and a little chaat masala or black pepper. Mix well. After 15 minutes, check the semolina batter. If it seems too thick, add a little more water. Now, place a non-stick pan or skillet on the stove and let it heat slightly. Add a few drops of oil or butter to the pan and spread it evenly. Once the pan is hot, reduce the heat to medium. Pour a tablespoon of batter into the center of the pan and spread it gently, making it a slightly thicker layer. Do not make it too thin like a dosa. Immediately after spreading the batter, spread the prepared potato-onion topping evenly over it. Press the topping lightly with a spoon to set it into the batter. Drizzle a little oil around the edges and cook for 2-3 minutes until golden brown on the bottom. When it's thoroughly cooked from the bottom, carefully flip it over. Fry the potatoes and onions on the other side until they're lightly golden and crispy. Once both sides are cooked, transfer them to a plate. Your hot, crispy, and delicious potato-onion uttapam is ready. Serve with coconut chutney, mint green chutney, or your kids' favorite, tomato ketchup. Believe me, it tastes so amazing that kids will finish their lunch only to return home, and adults will ask for this breakfast every weekend.

Bored with routine snacks? Make these crispy 'semolina rings' with your evening tea. The recipe is easy.

Evening tea is even more enjoyable when you have something crunchy and tasty to accompany it. If you're bored of eating the same biscuits, namkeen, or rusks every day, it's time to try something new. Today, we bring you a superb and quick recipe for semolina rings. This snack is as crispy on the outside as it is soft and tasty on the inside. The best part is that you don't need to buy anything special from the market to make it; all the ingredients are easily available in your kitchen. Ingredients for Semolina Rings Semolina: 1 cup Water: 1.5 cups Boiled potatoes: 2 (well-mashed) Cumin seeds: 1 teaspoon Chili flakes (crushed red chili): 1 teaspoon Green chilies: 1-2 (finely chopped) Salt: to taste Coriander leaves: 2 teaspoons (finely chopped) Oil: for frying and a little for mixing with the flour Easy method to make Semolina Rings First, heat water in a pan. Add a little oil, salt, cumin seeds, and chili flakes. When the water starts boiling, reduce the flame and slowly add the semolina, stirring continuously to prevent lumps. When the semolina has absorbed all the water and becomes the consistency of pudding, turn off the flame. Transfer it to a vessel and let it cool slightly. Now, add mashed boiled potatoes, finely chopped green chilies, and coriander leaves to the warm semolina and mix well. Knead it with your hands to form a smooth dough. If it sticks to your hands, apply a little oil. Take a large ball of dough and roll it out slightly thickly with a rolling pin. Now, cut a round shape using a bowl or a large lid. Then, using a smaller lid, make a small cut in the center of the circle, making it look like a ring or donut. Similarly, prepare rings from all the dough. Now, heat oil in a pan. Once the oil is hot, reduce the flame to medium and add the semolina rings one by one. Fry them until golden and crispy on both sides. Your hot and crispy semolina rings are ready. Transfer them to a plate and serve with your favorite tomato ketchup or green chutney.

To alleviate screen fatigue, young people are splashing out on 90s toys, with "Beyblade" becoming the toy market's top choice.

To satisfy screen fatigue and unfulfilled childhood desires, young people are splashing out on 90s toys, especially "Beyblade." Usually, the mention of a tattoo studio brings to mind the sound of machines and pain, but these days, as the evening approaches, the scene in some places is completely different. Tattoo tables are set aside, replaced by the clanging of plastic and metal toys. Yes, working all day at the office and spending time with toys in the evening has become a routine for many young people these days. Let's understand this in detail. The "top" of the 90s and the birth of "kidults": Here, people aren't engrossed in high-tech video games, but rather playing with the famous "top" of the 90s, known worldwide as "Beyblade." Interestingly, the game is not about young children, but about working professionals aged 25 to 35. In Asian countries like Japan, Hong Kong, Taiwan, and Thailand, the number of fans of this game is rapidly increasing. These older children have now been given a new name: "Kidults." Self-earnings and childhood desires: Why are adults returning to toys? Let's explain a very practical reason. In childhood, these toys used to be very expensive, and they couldn't insist their parents buy them. Now, since they are earning their own money, they are fulfilling that unfulfilled childhood desire with their own money. "Beyblade" has become the new king of the toy market - this hobby of the youth has created a new economy based on nostalgia. After Lego sets, Tamagotchi, and Pokémon cards, Beyblade has become the new king. A report by global consumer research firm Sircana reveals that people over 18 are buying toys more than younger children these days. In Hong Kong alone, Beyblade sales have increased by a staggering 14 times in the past year. Rare Beyblades, which are hard to find in the market, are being purchased online for up to 10 times the price. As the number of children has decreased, toy companies have shifted their target audience: today's generation is tired of staring at screens all day. They now want to engage in activities that involve face-to-face interactions. Therefore, people are connecting with each other through real-life games in gyms, malls, and parks. Meanwhile, birth rates have declined in Japan, Hong Kong, and Singapore. As the number of children is decreasing, toy companies have shifted their focus to adults who have significant funds to spend on their hobbies.

From the lakes of Bhopal to the streets of Chanderi... Bollywood loves the "strange" Madhya Pradesh; these films have been shot there.

Madhya Pradesh has become a favorite shooting location for Bollywood directors due to its natural beauty, historical forts, and cultural heritage. Madhya Pradesh is a favorite shooting location for Bollywood Bhulaiyaa 3" was filmed in there. When planning a visit. Some prefer the spending time at the seaside. book tickets just to visit is Madhya Pradesh. cultural heritage have from sets and artificial to cinema, Madhya Pradesh some such locations from and Kareena Kapoor's film Madhya Pradesh shown in It is situated on the banks of Indore. In the film, the was shown as the palace of in Bhool Bhulaiyaa - The seen in the Bollywood film thrilling scenes were shot in Orchha Fort in Orchha. film "Dunky" features the

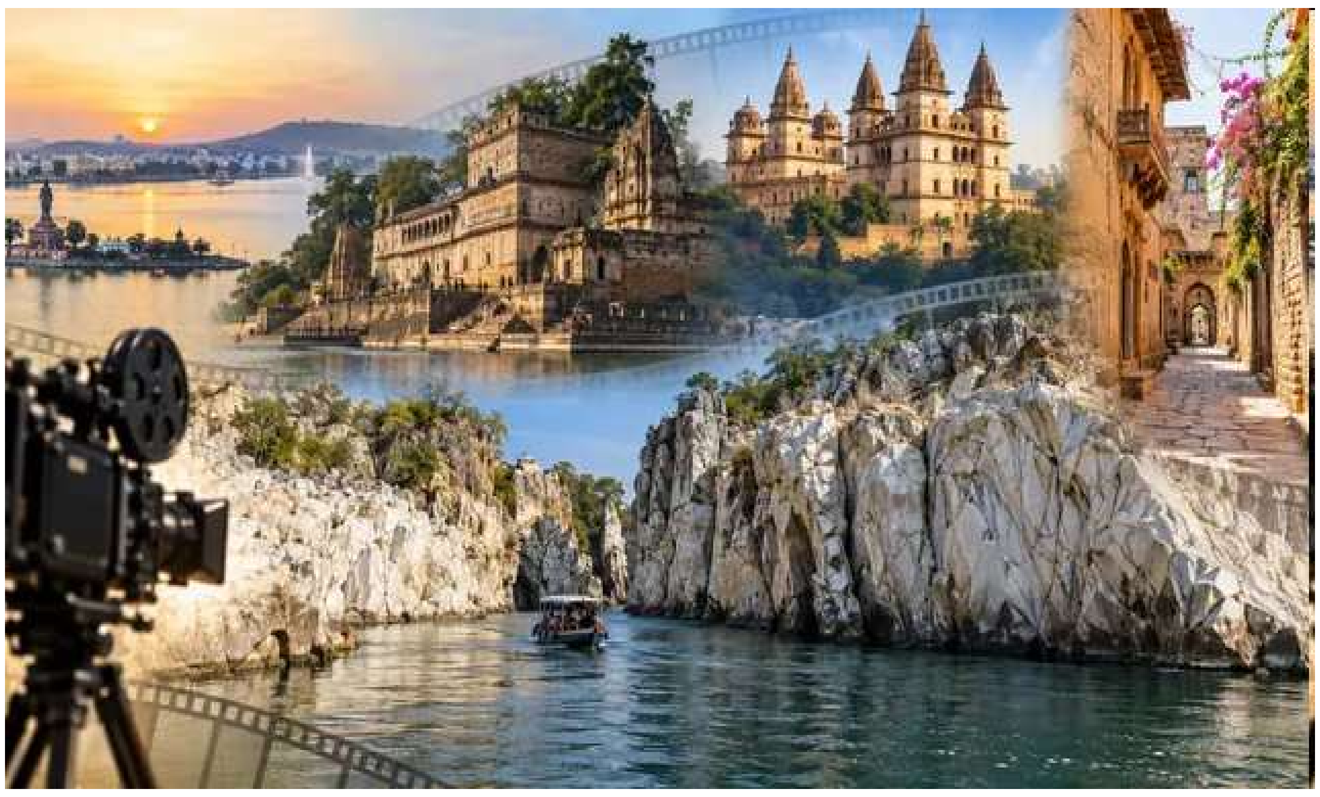

directors - "Ashoka" was filmed in Maheshwar, "Bhool Orchha. Many Shah Rukh Khan films have been shot vacation, everyone makes a mental list of places they will beautiful mountain valleys, while others find solace in But then there are those who are movie lovers. They locations where films have been shot. One such location Madhya Pradesh's natural beauty, historical forts, and always attracted Bollywood directors. Moving away settings, when makers want to add the color of real life becomes their first choice. Today we will tell you about there. Maheshwar seen in Ashoka - Shah Rukh Khan 'Ashoka' was released in the year 2001. Maheshwar of the film is a very beautiful, historical and religious city. Narmada River in Khargone district, about 91 km from grand Ahilya Fort (Maheshwar Fort) of Maheshwar Emperor Ashoka's empire 'Pataliputra'. Orchha seen historical city of Orchha of Madhya Pradesh has been 'Bhool Bhulaiyaa 3'. Many of the film's spooky and the premises of the famous Orchha Jahangir Mahal and Bhedaghat featured in "Dunky" - Shah Rukh Khan's beautiful marble rocks and the Narmada River at Bhedaghat in Jabalpur, Madhya Pradesh. Parts of the film, including the river crossing sequence, were shot amidst the famous marble rocks of Bhedaghat. Chanderi town featured in "Stree" - The historic city of Chanderi in Madhya Pradesh was the main shooting location for the Bollywood superhit horror-comedy films "Stree" and "Stree 2." The films beautifully depict the spooky yet beautiful locations of Chanderi town and its surroundings. Bhopal featured in "Rajneeti" - The acclaimed Bollywood film "Rajneeti," directed by Prakash Jha and released in 2010, was largely shot in and around Bhopal. A scene in the film in which Ranbir Kapoor and Katrina Kaif are shown talking was actually shot near Bhopal Lake. Which of these shooting locations do you like the most and would you like to visit there? Let us know in the comments section.

11 years ago, Nora Fatehi joined 'Bigg Boss 9' on one condition. Years later, she revealed the secret; how did she become an overnight star?

Nora Fatehi revealed that when she was offered Bigg Boss 9, she had only one condition with the makers, which proved to be a huge opportunity for her. Nora Fatehi made an interesting revelation years later: 11 years ago, she joined 'Bigg Fatehi's fortune. Nora Fatehi's decision to participate TV. Actress and dancer Nora had sung several songs, her work, when the offer for Salman Khan's reality Speaking on a podcast, Nora Fatehi explained that struggling with the producers for her payment. At the completely different perspective on reality TV. Nora "I had done several songs, and they weren't paying was waiting for their payment. They weren't paying they called me and asked, 'Do you want to do Bigg don't understand my vision, etc.' And then they told a big opportunity in Bigg Boss. She finally saw a big Bigg Boss could help her reach a much larger audience, to be on Jhalak Dikhhla Jaa. "It's not a bad thing; It's household name. I was a wildcard entry, so I wasn't used it for something else. I really wanted to do 'Jhalak

Boss 9' on one condition. One condition changed Nora in Bigg Boss 9 wasn't actually due to a passion for reality but she says she was having difficulty getting paid for show came to her. Nora didn't want to join Bigg Boss - when she was approached for Bigg Boss, she was time, she wasn't interested in doing the show and had a wasn't getting paid for her work. The actress explained, me. The producers might have paid the agency, but... I me, and I was fighting, and it was all very strange. Then Boss?' I said, 'No, I don't want to do it, and you guys me I'd get paid so much. Then I said, 'Okay.'" Nora saw opportunity in the show. She realized that appearing on especially if she used the platform correctly. Nora wanted a platform, and if you're smart, it instantly makes you a going to stay there for long, and maybe I could have Dikhhla Jaa,' and it was on the same channel. So I told them to give me 'Jhalak,' and in return, I'd do 'Bigg Boss.' I got 'Jhalak' instead." Nora had a good bond with Prince Narula. She entered 'Bigg Boss 9' as a wildcard contestant in December 2015 and was eliminated in January 2016. During her short time on the show, she developed a good bond with Prince Narula. The two were seen flirting on the show. Bigg Boss 9 proved to be a good opportunity for Nora Fatehi. After this, she gained popularity and work in the industry. After Bigg Boss, she appeared in the dance reality show Jhalak Dikhhla Jaa 9 in 2016 and later judged the same show. Nora gained widespread recognition in 2018 with the song "Dilbar Dilbar" from "Satyamev Jayate." After that, she released a string of superhit dance songs. Songs like "Saki Saki" and "Hai Garmi" proved to be chartbusters, and today, Nora is a recognized top actress and dancer in the industry.11 years ago, Nora Fatehi joined 'Bigg Boss 9' on one condition. Years later, she revealed the secret; how did she become an overnight star? Nora had a good bond with Prince Narula. She entered 'Bigg Boss 9' as a wildcard contestant in December 2015 and was eliminated in January 2016. During her short time on the show, she developed a good bond with Prince Narula. The two were seen flirting on the show. Bigg Boss 9 proved to be a good opportunity for Nora Fatehi. After this, she gained popularity and work in the industry. After Bigg Boss, she appeared in the dance reality show Jhalak Dikhhla Jaa 9 in 2016 and later judged the same show. Nora gained widespread recognition in 2018 with the song "Dilbar Dilbar" from "Satyamev Jayate." After that, she released a string of superhit dance songs. Songs like "Saki Saki" and "Hai Garmi" proved to be chartbusters, and today, Nora is a recognized top actress and dancer in the industry.

Sydney Sweeney's ad sparks uproar, boldness crosses all limits; sports world in turmoil

A major controversy is currently raging over Hollywood actress Sydney Sweeney's latest ad. Hollywood actress Sydney Sweeney is being trolled for this reason. Sports figures lash out at Sydney Sweeney. Who doesn't know Hollywood superstar Sydney Sweeney, who has won the hearts of fans through numerous blockbuster movies like "Once Upon a Time in Hollywood"? Besides her films, Sydney's name is currently making headlines for a controversial TV ad in which the Hollywood actress crossed all limits of impudence. Sydney's nude appearance in this ad for a sports gambling company has caused a stir in the sports world, and the actress is facing criticism. What is the whole matter? - On September 9th, a latest ad featuring Sydney Sweeney was released, which the actress did to promote a sports gambling company. In this ad, Sydney is seen without clothes, which has surprised everyone. Furthermore, she crosses all limits of boldness in this ad, covering her private parts with various sports-related items like a rugby ball and a badminton stick. Sydney Sweeney shared the photoshoot photos from this ad on her official Instagram handle, which has sparked outrage among fans. One user commented, sharply criticizing Sydney Sweeney, calling it a violation of the spirit of sports. Another user wrote, "This ad is heartbreaking. I didn't expect this from you, Sydney Sweeney." In this way, Sydney Sweeney is being heavily criticized on social media. Currently, this ad has embroiled Sydney Sweeney's name in controversy. Sports personalities have expressed their objections: After seeing this controversial ad by Sydney Sweeney, many athletes have objected to it. Female athletes have expressed their displeasure over the sexualization of women in sports. They have called it an insult to female athletes. Several sports figures, including surfer Felicity Palmateer, Olympic swimmer Ariarn Titmuss, and runner Amy Hunt, have spoken out against Sydney.